केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

ह्रीं श्रीं

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मिट्टी का गिलापन जिस तरह से पेड़ की जड़ को पकड़ कर रखता है,ठीक उस तरह शब्दों का मीठापन मनुष्य के रिश्तों को पकड़ कर रखता है

वर्ष : 17 अंक : 61 | उज्जैन, सोमवार 10 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा गंभीर मरीजों की जान बचाने में देश का सबसे सफलतम प्रयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन एवं शिवपुरी में नए एयरपोर्ट निर्माण कार्य में प्रगति लाएं - केंद्रीय मंत्री श्री नायडू

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजारापु राममोहन नायडू ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश में वर्तमान में एयरपोर्ट निर्माण एवं हवाई सेवाओं के विकास-विस्तार के लिए चल रही विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री नायडू को बताया कि प्रदेश में आठ एयरपोर्ट बन चुके हैं। उज्जैन और शिवपुरी में नए एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध 10 उन्नत एयरस्ट्रिप्स को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की योजना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत सरकार ने सिंगरौली, सागर, नीमच, छिंदवाड़ा, मण्डला, खण्डवा, रतलाम, मंदसौर, उमरिया एवं शहडोल एयरस्ट्रिप्स को केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत एयरपोर्ट में परिवर्तित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। केंद्र सरकार से प्रोत्साहन और मदद मिलते ही इन पर काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में चलाई जा रही पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में प्रारंभ हुई है। अब तक 170 से अधिक गंभीर मरीजों को इस सेवा का लाभ मिल चुका है। इनमें से 99 प्रतिशत मरीजों की जान बचा ली गई है। यह सेवा गंभीर मरीजों की जान बचाने में देश का सबसे सफलतम प्रयोग है। आयुष्मान कार्डधारियों को यह सेवा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित इस सेवा में प्रदेश भर में प्रदेश के किसी भी अंचल में रह रहे गंभीर मरीजों को तत्परतापूर्वक उच्च स्वास्थ्य संस्था तक पहुंचाया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने एयर एम्बुलेंस सेवा संचालन की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा संचालित उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना का अगले दस साल के लिए विस्तार कर दिया गया है। अब यह योजना वर्ष 2036 तक जारी रहेगी। केंद्र सरकार ने अगले दस साल में देश में 100 नए एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी उड़ान योजना के तहत मध्यप्रदेश के सभी प्रस्तावित स्थलों में एयरपोर्ट्स बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित दस एयरस्ट्रिप्स को एयरपोर्ट में बदलने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार पूरी मदद देगी। इसके तहत मध्यप्रदेश में पहले चरण में 5 नए एयरपोर्ट तैयार किए जाएंगे। इनमें सबसे पहले भोपाल से सबसे दूरस्थ नगर निगम सिंगरौली (ऊर्जाधानी) में एयरपोर्ट बनाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और प्रदेश के विमानन विभाग के अधिकारियों को उज्जैन और शिवपुरी में नए हवाई अड्डे के निर्माण कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उज्जैन एयरपोर्ट के लिए सभी जरूरी पर्यावरणीय अनुमतियां 10 अक्टूबर 2026 तक प्राप्त कर ली जाएं। काम में तेजी लाएं, क्योंकि सिंहस्थ - 2028 में देशी-विदेशी श्रद्धालुओं के सहज आवागमन के लिए यह हवाई अड्डा बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण होना है। इसके लिए नई साइट की तलाश जल्द से जल्द कर ली जाए।

न्यूज ब्रीफ

बदायूं में कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली में करंट से 7 झुलसे, एक कांवड़िये की मौत

बदायूं/ जीएनएस। कांवड़ मार्ग पर बिजली विभाग के अफसरों की अनदेखी के कारण शनिवार रात बड़ा हादसा हो गया। गौरामई गांव में 15 फीट ऊंचाई पर लटकती हाईटेंशन लाइन कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली से छू गई। इससे तेज धमाका हुआ, चीख-पुकार के बीच कांवड़िये ट्रॉली से नीचे जा गिरे। करंट से एक कांवड़िया की मौत हो गई, ट्राली पकड़कर चल रहे सात बच्चे झुलस गए। लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए बिजली विभाग के अफसर कह रहे कि ट्राली में रखे जेनरेटर में शॉर्ट सर्किट हुआ होगा। इससे इतर, ग्रामीणों का कहना है कि नीचे झूलती हाईटेंशन लाइन से हादसा हुआ, जो बाद में आनन-फानन कसी गई। कादरचौक क्षेत्र के गौरामई गांव के कांवड़िये प्रतिवर्ष कछला से गंगाजल लाकर शिवालय में चढ़ाते हैं। शनिवार रात बाल्मीकि बस्ती से 60-70 कांवड़ियों का जत्था ट्रैक्टर-ट्रॉली में साउंड सिस्टम लगाकर गली से गुजर रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, कांवड़िया रोहित ट्रॉली में 12-13 फीट ऊंचे स्पीकरों से सटकर खड़े थे। शेष कांवड़िये अपने स्वजन आदि से मिलते हुए पैदल आगे बढ़ने लगे। ट्रॉली के पीछे गांव के दर्जनों बच्चे, पुरुष व महिलाएं भजनों पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में हाईटेंशन लाइन नीचे लटक रही थी, मगर अंधेरा होने के कारण कोई उसे देख नहीं सका। उसी दौरान हाईटेंशन लाइन का तार स्पीकर से छूते ही रोशनी के साथ तेज धमाका हुआ। ट्रॉली में करंट दौड़ने से रोहित छटपटाकर वहीं गिर गए। ग्रामीण उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, मगर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ट्रॉली पकड़कर चल रहे 11 वर्षीय बृजेश, आठ वर्षीय तेजवीर, 14 वर्षीय प्रशांत, आठ वर्षीय सौरभ, नौ वर्षीय दामेश, 12 वर्षीय अंशू व 14 वर्षीय विपेंद्र भी करंट लगने से झुलस गए।

बंगाल में सरकारी कर्मचारियों की बढ़ेगी सैलरी, 7वें वेतन आयोग में शामिल किए गए कई नए नियम

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए हाल में गठित सातवें राज्य वेतन आयोग के लिए विस्तृत नियम शर्तें एवं कार्यक्षेत्र तय करते हुए अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें वेतन संरचना, वार्षिक वेतनवृद्धि, केंद्रीय वेतनमान के अनुरूप वेतन स्तर, महंगाई भत्ता, आवास भत्ता, सेवानिवृत्ति लाभ और विभिन्न भत्तों की समीक्षा का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय कर्मचारियों के साथ वेतन समानता, 11 साल बाद रूपांतरित पेंशन की बहाली और वार्षिक वेतन वृद्धि को तीन से बढ़ाकर कम से कम पांच प्रतिशत करना बंगाल के सातवें वेतन आयोग के नियमों और शर्तों में शामिल हैं। यानी फिलहाल तीन प्रतिशत की वार्षिक वेतनवृद्धि के स्थान पर आयोग अब कम से कम पांच प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि किए जाने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। महंगाई और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नए वेतन मैट्रिक्स की समीक्षा भी की जाएगी। हाल में गठित यह आयोग राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और सेवा शर्तों में व्यापक संशोधन तथा करियर प्रगति, सेवानिवृत्ति और स्वास्थ्य देखभाल लाभों में बदलाव का प्रस्ताव करने पर विचार कर रहा है। राज्य की नई भाजपा सरकार ने आयोग को मौजूदा वेतन ढांचे, भत्तों, पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की समीक्षा कर उन्हें मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों तथा महंगाई के अनुरूप तर्कसंगत बनाने तथा इसपर अपनी सिफारिश देने का दायित्व सौंपा है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावों का मकसद सेवा शर्तों के सभी प्रमुख पहलुओं को इसमें शामिल करते हुए मौजूदा व्यवस्था की विसंगतियों को दूर करना है।

कर्नाटक कैबिनेट में मिलेगी महिला को जगह, दिल्ली दौरे से पहले बोले सीएम डीके शिवकुमार

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस बात पर जोर देते हुए दिल्ली जा रहा हैं, कि उनकी कैबिनेट में महिलाओं को जगह जरूर मिलेगी। महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बीजेपी के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बीच तीखी बहस के बाद ये भरोसा और भी अहम हो गया है।

खबरों के मुताबिक, शिवकुमार रविवार शाम दिल्ली के लिए रवाना होंगे और रविवार और सोमवार को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और अन्य सीनियर नेताओं से मुलाकात करेंगे। चर्चा में इस महीने की शुरुआत में शामिल किए गए 19 मंत्रियों को विभाग सौंपने, जिसमें किसी महिला को शामिल करने की संभावना भी शामिल है, पर बात होने की उम्मीद है।

कांग्रेस आलाकमान द्वारा नेता बदलने पर सहमति के बाद शिवकुमार में जून में सीएम का पद संभाला था। उनकी शुरुआती मंत्रिपरिषद में 14 मंत्री थे, जिसके बाद 3 अगस्त को विस्तार हुआ और 19 और मंत्रियों ने शपथ ली।

इस विस्तार के बाद मंत्रालय की संख्या शिवकुमार सहित 33 हो गई, जबकि संवैधानिक सीमा 34 है। इसलिए एक पद खाली है, और अब यह वह जगह हो सकती है जो जेंडर प्रतिनिधित्व पर चल रही व्यापक बहस के बीच किसी महिला को मिल सकती है।

महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर राहुल-रिजिजू के बीच बहस- राहुल गांधी ने शुक्रवार को तर्क दिया कि महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को परिसीमन से जोड़े बिना लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं की ऊर्जा फंसी हुई है, उन्हें खुद को व्यक्त करने की इजाजत नहीं है, उन्हें कल्पना करने की इजाजत नहीं है।

सोशल मीडिया पर %आस्क-मी-एनीथिंग% सत्र के दौरान उन्होंने तर्क दिया कि मेरे लिए, कोई भी देश सफल नहीं हो सकता अगर उस देश की महिलाएं खुद को व्यक्त नहीं कर रही हैं, हमारी महिलाएं अपनी बात रखे बिना हमारा देश अधूरा और रुका हुआ है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी के रुख में साफ तौर पर मन बदला है और कांग्रेस से महिला आरक्षण का बिना शर्त समर्थन करने का आग्रह किया। गांधी ने जवाब दिया कि कांग्रेस ने पहले ही उस कानून का समर्थन किया था जिसे 2023 में सर्वसम्मति से पास किया गया था।

CJI को लॉ यूनिवर्सिटी में चीफ गेस्ट बनाने पर बवाल

हैदराबाद/ जीएनएस। हैदराबाद के नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च के ग्रेजुएट होने वाले छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से मांग की है कि आगामी दीक्षांत समोरोह के लिए भारत के मुख्य न्याायाधीश सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के अपने कथित प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे। वाइस-चांसलर, रजिस्ट्रार और प्रोफेसरों को भेजे गए एक पत्र में छात्रों ने कहा कि दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी की संवैधानिक अधिकारों, न्याय तक पहुंच और शिकायतों पर तर्कपूर्ण तरीके से विचार करने की प्रतिबद्धता झलकनी चाहिए। छात्रों की आपत्ति का मुख्य कारण सुप्रीम कोर्ट का वह कथित इनकार है जिसमें उसने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर चलो संसद प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए लिस्ट करने से मना कर दिया था।

आपको जवाब देना होगा, छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर राहुल गांधी का पीएम मोदी और शाह पर निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को दिल्ली में विरोध मार्च के दौरान छात्रों के साथ कथित पुलिस बर्बरता के लिए माफी मांगने के बजाय ने माफी बांट रहे हैं।

प्रयागराज में अपने छात्रों की गूंज कार्यक्रम के एक दिन बाद, राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और वह पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़े हैं।

राहुल गांधी ने कहा, अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा है, प्रयागराज में कल एक छात्र ने मुझसे यही कहा। सालों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचना, माता-पिता का कर्ज और फिर भी हाथ कुछ नहीं लगा। यह हार उसकी नहीं है। यह उस सिस्टम की हार है जिसने उसकी कड़ी मेहनत का फल नहीं दिया।

उन्होने कहा क 13 दिन बीत चुके हैं, गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला। माफी मांगने के बजाय, पीएम मोद माफी बांट रहे हैं। अमित शाह, एक पर के लिए भी यह न सोचें कि हम जवाबदेही की मांग करना बंद कर देंगे।

राजधानी की सड़कों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट बरसाए गए और आपने एक शब्द भी नहीं कहा। आज हो या कल, आपको इस अपराध के लिए जवाब देना होगा। छात्र देश का भविष्य हैं और मैं पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़ा हूं।

इससे पहले शनिवार को राहुल गांधी ने कहा था कि देश के युवा एक चक्रव्यूह में फंस रहे है, जहां वे ऐसे एजुकेशनल सर्टिफिकेट पर लाखों करोड़ों खर्च कर रहे हैं जिनसे नौकरी की कोई गारंटी नहीं मिलती।

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसाः कैप्टन का डोप टेस्ट 'नॉन-नेगेटिव', सरकार ने कंफर्मेटरी जांच के लिए भेजा सैंपल

नई दिल्ली/ जीएनएस। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उस उड़ान के पायलट की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जो चार अगस्त को ओडिशा के ऊपर गंभीर टर्बुलेंस की चपेट में आने के बाद अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी।

घटना के बाद कराए गए साइकोएक्टिव सब्सटेंस स्क्रीनिंग टेस्ट में फ्लाइट के कैप्टन की रिपोर्ट निगेटिव नहीं आई है। अब उसके सैंपल को कंफर्मेटरी जांच के लिए निर्धारित लैब भेजा गया है। अंतिम रिपोर्ट आने का इंतजार है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि एयर इंडिया की एयरबस ए320 (ङ्क्तञ्ज-श्वङ्गह्र) ने चार अगस्त को फुकेट से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। क्रूज के दौरान विमान को अचानक करीब 300 फीट की ऊंचाई का नुकसान हुआ। इसके बाद विमान को नियंत्रित कर लिया गया और वह सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंचा। इस दौरान कुछ यात्रियों और केबिन क्रू के सदस्यों को चोटें आई थीं।

दोनों पायलटों का हुआ था डोप टेस्ट- मंत्रालय के मुताबिक, ऐसी घटना के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान के दोनों पायलटों का साइकोएक्टिव सब्सटेंस स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया। इनमें कैप्टन यानी पायलट-इन-कमांड की स्क्रीनिंग रिपोर्ट में ऐसा परिणाम आया, जिसके लिए कंफर्मेटरी जांच जरूरी है। सैंपल को निर्धारित प्रयोगशाला भेज दिया गया है।

जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, दोनों पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। मामले की जांच अब एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा।

FCRA संशोधन विधेयक का विरोध करने की तैयारी में विपक्ष, विदेशी फंडिंग बिल पर क्यों उठ रहे सवाल?

नई दिल्ली/ जीएनएस। विपक्ष मोदी सरकार के फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल 2026 का कड़ा विरोध करने की तैयारी कर रहा है, जिसे इस सप्ताह संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। इस संशोधन के अनुसार, यदि किसी संगठन का रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है, तो विदेशी फंड से बनी संपत्तियों पर सरकार का नियंत्रण और मजबूत हो जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट किया है कि विपक्ष सरकार के इस कदम को रोकने की योजना बना रहा है, इस पर सोमवार को अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी पार्टियों, विशेषकर फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

इसी बीच, महत्वपूर्ण मामलों के पेश होने की उम्मीद में कांग्रेस ने राज्यसभा और लोकसभा में अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। इससे 10, 11 और 12 अगस्त को संसद में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी। कांग्रेस ने ढ्ढ.हृ.ष्ठ.ढ्ढ. गठबंधन के सभी सहयोगियों से भी आग्रह किया है कि वे इन तीन दिनों में अपने सांसदों की मौजूदगी पक्की करें।

दूसरी ओर, एनसीपी(एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भी बिल का विरोध करते हुए कहा कि विदेशी फंडिंग को हमेशा शक की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने बिल को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की मांग की है।

हालांकि, संसदीय कार्य राज्य मंत्री द्वारा जारी अगले हफ्ते के संभावित सरकारी कामकाज की सूची में फिलहाल इस बिल का जिक्र नहीं किया गया है। फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल 2026 का मुख्य उद्देश्य फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट 2010 में संशोधन करना है। यह मूल कानून व्यक्तियों, संघों और संगठनों को मिलने वाले विदेशी चंदे को नियंत्रित करता है। इस साल 15 जुलाई के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, देश में 14,449 स्नष्टक्र रजिस्ट्रेशन सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद हो चुके है और 15,212 की समय-सीमा समाप्त हो गई थी।

लश्कर से जुड़े आतंकी संगठन ने दी कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को निशाना बनाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जम्मू/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी हिंदू सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक छद्म (शैडो) आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल ने एक नया धमकी भरा पत्र जारी कर कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है।

संगठन ने कश्मीर और जम्मू दोनो ही जगहों पर हमलों की चेतावनी दी है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और इस धमकी भरे पत्र की जांच में जुट गई हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार, यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल लश्कर-ए-तैयबा का ही एक शैडो फ्रंट है। इस संगठन ने एक दस्तावेज जारी किया है, जिसे एक प्रकार से कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों की हिट लिस्ट माना जा रहा है। इसमें विशेष रूप से प्रधानमंत्री पैकेज के तहत तहत कार्यरत छह कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों के नाम और फोन नंबर सार्वजनिक किए गए हैं।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों के निजी विवरण सार्वजनिक करने के पीछे का मुख्य मकसद उनमें भय पैदा करना और लक्षित हमलों के लिए उनकी पहचान उजागर करना है। आतंकी संगठन ने धमकी भरे नोट में स्पष्ट किया है कि वे सरकारी विभागों, विशेषकर राजस्व विभाग पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जहां ये कर्मचारी तैनात हैं।

धमकी भरे पत्र में कश्मीर घाटी और जम्मू, दोनों ही स्थानों पर हमले करने की बात कही गई है। संगठन ने कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि अगर वे कश्मीर घाटी से जम्मू चले भी जाते हैं, तो वे पूरी तरह सुरक्षित नहीं होंगे। धमकी में कहा गया है कि उन्हें कश्मीर के बाहर भी निशाना बनाया जा सकता है।

चोरी की गाड़ियां खरीदकर इंजन और पार्ट्स बेचने वाले दो कबाड़ कारोबारी गिरफ्तार, 12 इंजन बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चोरी के दोपहिया वाहनों को खरीदकर उनके इंजन और पार्ट्स अलग कर अवैध रूप से बेचने वाले दो कबाड़ कारोबारियों पर क्राइम ब्रांच इंदौर ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के वाहनों के कलपुर्जों सहित 12 इंजन बरामद किए हैं। इनमें तीन इंजन के नंबर घिसे हुए पाए गए। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक इंदौर में अवैध गतिविधियों और संगठित अपराध में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश के तहत क्राइम ब्रांच द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर लगातार निगरानी की जा रही है। इसी

दौरान 8 अगस्त 2026 को टीम को सूचना मिली कि दौलतगंज, रानीपुरा स्थित एक कबाड़ दुकान पर अल्ताफ और अरशद चोरी की गाड़ियां खरीदकर उनके इंजन व अन्य पार्ट्स अलग कर अवैध रूप से बेचते हैं। पहचान छिपाने के लिए इंजन के नंबर घिसे जाने की भी सूचना पुलिस को मिली थी।

सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने दौलतगंज उर्दू मैदान, रानीपुरा स्थित कबाड़ दुकान पर घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को चोरी के दोपहिया वाहनों के विभिन्न कलपुर्जे और 12 इंजन मिले। इनमें तीन इंजन के नंबर घिसे हुए पाए गए। आरोपियों से जब बरामद वाहनों और इंजनों के संबंध में दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस जांच में आरोपियों की गतिविधियां चोरी के वाहनों के अवैध क्रय-विक्रय और उनसे आर्थिक लाभ अर्जित करने से जुड़ी पाए जाने पर थाना क्राइम ब्रांच इंदौर में अपराध क्रमांक 115/2026 के तहत धारा 314, 317(2) एवं 112(1) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अल्ताफ अंसारी, उम्र 49 वर्ष और अरशद अंसारी, उम्र 25 वर्ष, दोनों निवासी इंदौर के रूप में हुई है। दोनों दौलतगंज, रानीपुरा क्षेत्र में कबाड़ की दुकान संचालित करते हैं।

क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के दोपहिया वाहनों के कलपुर्जे और 12 इंजन बरामद किए हैं, जिनमें तीन इंजन के नंबर मिटाने के लिए घिसे गए थे। जब्त माल की कुल अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी के वाहनों के नेटवर्क और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी अपराध शाखा के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंदौर में 'क्षिप्रा' व 'नर्मदा' दो टीबीएम एयरपोर्ट से बीएसएफ परिसर के भूमिगत मेट्रो स्टेशन के बीच बनाएंगी सुरंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अब भूमिगत मेट्रो के लिए सुरंग बनाने का कार्य जल्द शुरू होगा। एयरपोर्ट स्थित मेट्रो स्टेशन परिसर से दो टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) जिन्हें क्षिप्रा व नर्मदा नाम दिया गया है। इनके माध्यम से जमीन के 22 मीटर गहराई में दो सुरंगों निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

ये टीबीएम एयरपोर्ट से बीएसएफ परिसर के भूमिगत मेट्रो स्टेशन के सबसे पहले सुरंग बनाएगी। फिलहाल एक टनल बोरिंग ही इंदौर पहुंची है। ऐसे में इसे एयरपोर्ट भूमिगत मेट्रो स्टेशन परिसर में 28 मीटर गहराई में बने गड्ढे में अगले 10 दिन में उतारा जाएगा।

वही सितंबर तक दूसरी टनल बोरिंग मशीन के भी इंदौर पहुंचने की संभावना है। शनिवार को मेट्रो के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने टनल बोरिंग मशीन का निरीक्षण किया और भूमिगत सुरंग बनाने के संबंध में निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से चर्चा भी की।

इंदौर मे यलो लाइन मेट्रो- 31.76 किमी = मेट्रो की रिंग निर्माण है प्रस्तावित ।

19.04 किमी = गांधी नगर स्टेशन से बंगाली चौराहे तक हिस्सा है एलिवेटेड।

12.72 किमी = एयरपोर्ट से बंगाली चौराहा तक का हिस्सा है भूमिगत ।

भूमिगत मेट्रो स्टेशन = कट एंड कवर (ऊपर से खुदाई कर निर्माण) पद्धति के तहत बाटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर निर्माण) तरीके से किया जा रहा है।

मेट्रो की सुरंग = सुरंग बनाने के लिए टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का होगा उपयोग।

इस तरह होगा सुरंग का स्वरूप- मिक्स्ड फेस शील्ड टीबीएम से जमीन के नीचे 18 से 22 मीटर की गहराई में सुरंग बनेगी। छोटा गणपति भूमिगत मेट्रो स्टेशन के पास 28 मीटर गहराई में सुरंग बनेगी।

सुरंग का व्यास लगभग 5.8 मीटर होगा।

टीबीएम मिट्टी को काटते हुए आगे बढ़ेगी और साथ ही सुरंग के भीतर सीमेंट-कांक्रीट की स्थायी प्रीकास्ट आरसीसी रिंग बनाएगी।

सुरंग के ऊपर बने भवनों की सुरक्षा सेंसर से होगी सुनिश्चित- टीबीएम से सुरंग निर्माण के दौरान इस बात विशेष ध्यान रखा जाएगा कि जमीन के ऊपर रहने वाले आमजन, भवनों और अन्य संरचनाएं सुरक्षित रहे। सतह पर स्थित भवनों को किसी प्रकार की क्षति की आशंका को न्यूनतम रखने के लिए व्यापक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

सुरंग निर्माण क्षेत्र के आसपास लगभग 30 मीटर के दायरे में आने वाले भवनों का भवन स्थिति सर्वेक्षण भवन मालिकों की उपस्थिति में किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, जमीन और भवनों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के लिए विस्तृत उपकरण निगरानी प्रणाली तैयार की गई है।

लगाए जाने वाले सेंसर जमीन अथवा भवनों में होने वाले अत्यंत मामूली बदलाव की भी जानकारी विशेषज्ञों को उपलब्ध कराएंगे, ताकि आवश्यकता होने पर समय रहते उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

अग्निरोधी सामग्री का होगा उपयोग, सुरंग में वेंटिलेशन के लिए पर्याप्त होगा इंतजाम- टीबीएम में किसी भी अप्रत्याशित भूगर्भीय परिस्थिति से सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कई अंतर्निर्मित सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं। मशीन में गैर-ज्वलनशील एवं अग्निरोधी सामग्री का उपयोग किया गया है। इसके अलावा टीबीएम में स्वचालित गैस पहचान सेंसर लगाए गए हैं।

सुरंग में ऑक्सीजन, तापमान एवं आर्द्रता का निर्धारित स्तर बनाए रखने के लिए बाहरी बलपूर्वक वेंटिलेशन प्रणाली की व्यवस्था की गई है। सुरंग में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा के लिए हाइपरबैरिक चैंबर एवं आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं भी स्थापित की जा रही हैं। मेट्रो प्रबंधन द्वारा सुपर कारिडोर से रेडिसन चौराहे तक तक कर्मशियल रन की तैयारी शुरु कर दी गई।

आरएसएस का मालवा प्रांत मार्च से बदलेगा इंदौर और उज्जैन संभाग में, होंगे संभाग प्रचारक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आरएसएस ने संगठन के काम की दृष्टि से इंदौर और उज्जैन संभाग को मिलाकर मालवा प्रांत का वर्ष 2009 में गठन किया था, लेकिन अगले वर्ष मार्च से फिर इसमें बदलाव किया जा रहा है। इसकी तैयारी संघ स्तर पर हो चुकी है। इस बदलाव के बाद आरएसएस में प्रांत प्रचारक के बजाय संभाग प्रचारक का पद होगा। बाकी अन्य पदों में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

पांच माह पहले हरियाणा में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी है। दरअसल, अब संघ का फोकस युवा और सोशल इंजीनियरिंग पर ज्यादा है। संघ के आनुषंगिक संगठनों की भूमिका भी इसमें बढ़ गई है।

काम को आसान करने के लिए प्रांत को और छोटा किया जा रहा है। मालवा प्रांत के पदाधिकारियों के अनुसार, संभाग स्तर पर नई व्यवस्था बनाने की तैयारी हो चुकी है। पदों की संरचना भी संभाग स्तर पर होने वाले गठन के दौरान ही हो जाएगी।मालवा प्रांत में पांच हजार से ज्यादा शाखाएं हैं। इसकी संख्या दो संभागों में बदले जाने के बाद बढ़ेगी और संघ का विस्तार और व्यापक होगा।अभी प्रदेश में संघ के तीन प्रांत मालवा, महाकौशल और मध्य भारत हैं। बदलाव के बाद पूरे प्रदेश में 11 संभाग होंगे। इससे नए और ज्यादा पदाधिकारी बनेंगे और उनके संपर्क भी ज्यादा बढ़ेंगे। संभाग स्तर पर नई व्यवस्था के अलावा प्रदेश स्तर की कार्यसमिति भी रहेगी। संभाग प्रचारकों के अलावा प्रदेश प्रचारक का पद भी हो सकता है।इंदौर संभाग का कार्यालय सुदर्शन भवन में संचालित होगा, जबकि उज्जैन का कार्यालय शिप्रा नदी के पास स्थित भवन से संचालित हो सकता है।

इंदौर में देर रात पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, 472 बदमाशों पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का सरप्राइज सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी है। 8 और 9 अगस्त की दरमियानी रात से सुबह तक शहर के चारों जोन में पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में विशेष चेकिंग एवं पेट्रोलिंग की गई। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में गुंडे-बदमाशों और संदिग्धों को चेक किया गया, जिनमें से 472 लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा एडिशनल कमिश्नर क्राइम आर.के. सिंह और एडिशनल कमिश्नर कानून-व्यवस्था मयंक अवस्थी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों के 252 से अधिक वारंट तामील कराए गए। इनमें 65 स्थाई वारंट, 65 गिरफ्तारी वारंट और 122 जमानती वारंट शामिल हैं। कई लंबे समय से फरार आरोपियों को भी पुलिस ने पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर भी सख्ती की। अभियान के दौरान 148 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई

की गई। अंतर्राज्यीय बसों और लोक परिवहन वाहनों के चालकों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई।

अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को तीन अवैध चाकुओं के साथ गिरफ्तार किया। थाना एरोड्रम पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों से चाकू बरामद किए, जबकि थाना तुकोगंज पुलिस ने एक आरोपी को अवैध चाकू के साथ पकड़ा।

वहीं सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ 12 प्रकरण दर्ज किए गए। मादक पदार्थों के सेवन के मामलों में चार प्रकरण NDPS एक्ट के तहत दर्ज किए गए।

पुलिस ने आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों को थाने बुलाकर उनके डोजियर तैयार कराए। उन्हें रेड और यलो नोटिस देकर भविष्य में अपराध से दूर रहने की चेतावनी दी गई। साथ ही आगे अपराध नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई।

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत 170 BNSS में 10, 129 BNSS में 3, 126क्र135(3) BNSS में 38 तथा 141-1ख में 2, इस प्रकार कुल 53 बदमाशों/असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई या समंस तामील किए गए।

अभियान के दौरान शहर के हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग कर निगरानी की गई। नकबजन, लुटेरे, चाकूबाज, निगरानीशुदा बदमाश, जिलाबदर एवं रासुका के आरोपियों सहित महिला अपराध, वाहन आगजनी और तोड़फोड़ से जुड़े संदिग्धों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई।

पुलिस ने होटल, लॉज, रैन बसेरों, ढाबों, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर भी संदिग्ध गतिविधियों की जांच की।

चेकिंग के दौरान ब्लैक फिल्म, हूटर और मॉडिफाइड साइलेंसर सहित यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने बाइक पेट्रोलिंग तथा पैदल भ्रमण कर संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखी।

अभियान के दौरान पुलिस ने आम नागरिकों से जनसंवाद भी किया और उन्हें साइबर अपराध, महिला अपराध, नशे के दुष्परिणाम तथा सड़क सुरक्षा जैसे विषयों के प्रति जागरूक किया।

इंदौर पुलिस के अनुसार गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ इस तरह की सघन चेकिंग एवं कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

151 जोड़ों ने किया सामूहिक पार्थिव महाशिवरुद्राभिषेक, एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया सवा लाख 'नमः शिवाय' मंत्र जाप

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू सनातन धर्म के पवित्र श्रावण माह की एकादशी के अवसर पर सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप, नंदबाग जोन द्वारा सुखद वर्षा एवं जनकल्याण की कामना को लेकर सामूहिक पार्थिव महाशिवरुद्राभिषेक, सवा लाख '? नमः शिवाय' मंत्र जाप और भारत माता पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 151 जोड़ों सहित एक हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की। ग्रुप के मीडिया प्रभारी डॉ. आर.एन. मिश्रा, राजाराम तिवारी, मुनींद्र पाठक एवं अनिल त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ब्राह्मण विद्वानों द्वारा विशेष वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाशिवरुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव का अभिषेक कर जनकल्याण और सुखद वर्षा की कामना की।

ग्रुप के रामजीत पाण्डेय, शिवकुमार तिवारी एवं लक्ष्मण तिवारी ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले सात वर्षों से लगातार सामूहिक महाशिवरुद्राभिषेक एवं पारिवारिक मिलन

कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में विभिन्न समाजों और वर्गों के लोग सहभागी होते हैं। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सवा लाख '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप किया और भारत माता का पूजन किया।

विंध्याचल सोशल ग्रुप द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय सहभागिता की जाती है। संस्था की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, नशामुक्ति अभियान और निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा ग्रुप के सदस्यों के लिए शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्य करने के प्रयास किए जाते हैं। संस्था से जुड़े सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने के साथ सामाजिक सरोकारों में भी योगदान देते हैं।

ग्रुप के पदाधिकारियों ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, देवास, महू, पीथमपुर, धार सहित विभिन्न जिलों और नगरों में संस्था से जुड़े बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं। संस्था द्वारा इंदौर-रीवा ट्रेन को नियमित कराने की मांग भी समय-समय पर उठाई जाती रही है।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर महंत पवन दास महाराज, विंध्याचल सोशल ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा, दिलीप मिश्रा, के.बी. दुबे, कमलेश मिश्रा, सौखीलाल मिश्रा, संतोष त्रिपाठी, योगेश तिवारी, गोकर्ण चतुर्वेदी, धर्मेंद्र मिश्रा, कमल त्रिपाठी, रमेश शर्मा, इंद्रिका तिवारी, अनूप शुक्ला, सुभाष दुबे, श्रवण मिश्रा, गौतम तिवारी, लवकुश मिश्रा, अशोक पटेल, सुरेश पाण्डेय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

धार्मिक आयोजन के समापन अवसर पर देवानंद महाराज चित्रकूट की टीम द्वारा भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शुजालपुर के कैलाश नारायण पाठक की किडनियों से दो लोगों को मिला जीवनदान, इंदौर में बना 69वां ग्रीन कॉरिडोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को शहर में 69 वां ग्रीन कॉरिडोर बना। शुजालपुर के रहने वाले 54 वर्षीय कैलाश नारायण पाठक के ब्रेन डेथ के बाद उनकी दो किडनियां दो जरूरतमंद मरीजों को प्रत्यारोपित की गई।

नेत्रदान शंकरा आई हास्पिटल के माध्यम से हुआ - कैलाश नारायण पाठक बड़ौद में मंडी सविचव के पद पर थे। उनकी एक किडनी चोइथराम हास्पिटल के भर्ती 35 वर्षीय पुरुष व वही दूसरी किडनी एमिनेंट हास्पिटल में भर्ती 39 वर्षीय पुरुष को प्रत्यारोपित की गई। वही उनका नेत्रदान शंकरा आई हास्पिटल के माध्यम से संपन्न हुआ।

पत्नी ने भी अंगदान एवं देहदान का संकल्प पत्र भरा- शनिवार को कैलाश नारायण पाठक के अंगदान के पूर्व उनकी पत्नी ने मनोरमा पाठक ने भी पति के अंगदान के स्वीकृति-पत्र पर हस्ताक्षर करने से पहले स्वयं अंगदान एवं देहदान का संकल्प पत्र भरा। अंगदान की पूरी प्रक्रिया में शैल्बी हास्पिटल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. विवेक जोशी, डा. अभिषेक चौरसिया, डा. अर्जुन पनवार, आर्गन डोनेशन कोआर्डिनेटर हेमलता सिंह की अहम भूमिका रही।

शव को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई- वहीं शैल्बी हॉस्पिटल की समस्त टीम का पूरे समय पूर्ण सहयोग और समर्पण बना रहा। वही मुस्कान सेवादार ग्रुप के जीतू बगानी, संदीपन आर्य, हरपाल सितलानी एवं लक्की खत्री की भी अहम भूमिका रही। कैलाश नारायण पाठक के निधन के पश्चात उनके शव को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। शनिवार सुबह 7:30 बजे उनका पार्थिव शरीर उनके घर शुजालपुर के लिए सम्मानपूर्वक रवाना किया गया।

पद्मभूषण पं. गोकुलोत्सव जी महाराज को 'कलागुरु' सम्मान से किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कला एवं साहित्य के क्षेत्र में अपने अतुलनीय योगदान के लिए पद्मभूषण पं. गोकुलोत्सव जी महाराज को संस्कार भारतीइंदौर महानगर द्वारा 'कलागुरु' सम्मान से सम्मानित किया गया। भारतीय शास्त्रीय संगीत की साधना, संरक्षण और प्रचार-प्रसार के साथ संगीत की नई पीढ़ी को तैयार करने में उनके योगदान के प्रति यह सम्मान समर्पित किया गया।

पं. गोकुलोत्सव जी महाराज ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उस्ताद आमिर खां की गायकी से प्रभावित होकर हवेली संगीत को अपनाया और अपनी विशिष्ट 'सर्वांग गायिकी' शैली विकसित की। ध्रुपद गायन के माध्यम से उन्होंने भारतीय संगीत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को भी आगे बढ़ाया।

संगीत के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, राष्ट्रीय तानसेन पुरस्कार, प्रेसिडेंट अवार्ड सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उनकी संगीत साधना ने इंदौर को देश और दुनिया के सांस्कृतिक मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाई है। पं. गोकुलोत्सव जी महाराज ने वर्ष 1972 में गिरधर निकुंज, मल्हारगंज में जीएमएस संगीत गुरुकुल की स्थापना की थी। गुरुकुल के माध्यम से वे अब तक 3200 से अधिक शिष्यों को संगीत की शिक्षा प्रदान कर चुके हैं। वर्तमान में भी वे ऑनलाइन माध्यम से शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी पं. गोकुलोत्सव जी महाराज को संगीत के साथ वेदों, यूनानी एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का भी ज्ञान है। संस्कृत, फारसी, उर्दू, अरबी, ब्रज, अवधी और गुजराती सहित अनेक भाषाओं पर उनका अधिकार है। वे पुष्टिमार्गीय वल्लभाचार्य संप्रदाय के आचार्य के रूप में भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। संस्कार भारती की ओर से प्रदान किए गए सम्मान-पत्र में कहा गया कि पं. गोकुलोत्सव जी महाराज की कठोर साधना, अथक परिश्रम और अद्वितीय प्रतिभा ने कला जगत को समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी कला को उत्कृष्टता के उच्च स्तर तक पहुंचाने के साथ ही अनेक कला-साधकों को प्रेरणा, दिशा और आत्मविश्वास प्रदान किया है। सम्मान-पत्र में उनके ज्ञान, अनुभव और स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन को भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा तथा सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण बताया गया। संस्कार भारतीइंदौर महानगर ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सृजनशीलता की कामना करते हुए कहा कि 'कलागुरु' सम्मान भारतीय कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

इंदौर ने फिर रचा इतिहासः रेवती रेंज पर 13,10,012 पेड़ों का विश्व रिकॉर्ड, एक दिन में 51 हजार पौधारोपण

दो साल पहले लगाए गए 12.41 लाख से अधिक पौधों में से 13,10,012 पेड़ सुरक्षित और जीवित पाए गए 7 बी.एल. संतोष ने विश्व रिकॉर्ड की उपलब्धि का किया उल्लेख 7 कैलाश विजयवर्गीय बोले—अब इंदौर को क्लीन के साथ ग्रीन बनाना है

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी पहचान बना चुका इंदौर अब हरित क्रांति की दिशा में भी एक नया इतिहास रचने जा रहा है। शहर के रेवती रेंज क्षेत्र में लगाए गए पौधों की गणना के बाद 13 लाख 10 हजार 12 वृक्ष सुरक्षित और जीवित पाए गए हैं। इसके साथ ही एक स्थान पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर उन्हें दो वर्षों तक संरक्षित करते हुए वृक्ष बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया है।

इस उपलब्धि के मौके पर रेवती रेंज में एक बार फिर बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें 51 हजार पौधे लगाए गए। अभियान में स्कूल-कॉलेजों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और बड़ी संख्या में शहरवासियों सहित 12 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।

एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने की पेड़ों की गणना- विश्व रिकॉर्ड के लिए एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम द्वारा रेवती रेंज में लगाए गए पौधों की विस्तृत गणना और

जांच की गई। संस्था के अध्यक्ष अंतिम जैन के अनुसार, वर्ष 2024 में लगाए गए पौधों में से कितने पौधे सुरक्षित और जीवित हैं, इसकी सूक्ष्मता से जांच की गई। इसके बाद रेवती रेंज पर वर्तमान में 13,10,012 वृक्ष होने की घोषणा की गई।

वर्ष 2024 में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व और इंदौरवासियों की भागीदारी से रेवती रेंज पर एक ही दिन में 12 लाख 41 हजार से अधिक पौधे लगाए गए थे। पौधों के संरक्षण के लिए बाद में यहां नर्सरी भी विकसित की गई, ताकि सूखने वाले पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाए जा सकें। वर्ष 2025 में भी रेवती रेंज पर करीब एक लाख पौधों का रोपण किया गया था।

बी.एल. संतोष बोले–इंदौर ने सिविक सेंस की मिसाल कायम की- कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम संकल्प को इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय ने सिद्धि तक पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले केवल विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए पौधे नहीं लगाए गए थे, बल्कि धरती की सेहत सुधारने और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया था। पौधों को लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण और पालन-पोषण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज रेवती रेंज की पथरीली जमीन हरियाली से लहलहा रही है।

बी.एल. संतोष ने कहा कि जिस तरह इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में देश में मिसाल कायम की है, उसी तरह अब शहर को ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इंदौर जल्द ही ग्रीन सिटी के रूप में भी अपनी पहचान बनाएगा।

कैलाश विजयवर्गीय बोले–इंदौर से देश को मिलेगा हरित क्रांति का संदेश

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पेड़ साक्षात शिव के समान हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड रूपी विष को ग्रहण कर ऑक्सीजन रूपी अमृत प्रदान करते हैं। उन्होंने रेवती रेंज पर पौधारोपण में योगदान देने वाले इंदौरवासियों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इंदौर ने मिलकर शहर को स्वच्छ बनाया है और अब लक्ष्य इंदौर को ग्रीन बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के %एक पेड़ माँ के नाम% संकल्प को इंदौरवासियों ने सिद्धि तक पहुंचाने का दृढ़ निश्चय किया है।

कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस वर्ष 21 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है और पौधारोपण अभियान प्रत्येक रविवार को जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं।

नियमों ओर प्राविधानों से सिस्टम नहीं सुधरेगा... जरूरत है नैतिक मूल्यों को जागृत करने की

शहर के सुबुद्धजनों ने वैचारिक निवेश के तहत आयोजित विचार गोष्ठी में गहन विमर्श किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली, पानी, मिलावट, नाप तौल और दवाइयों के मूल्य जैसे आमजनों की दैनंदिनी से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों पर नगर के सुबुद्धजनों ने वैचारिक निवेश के तहत आयोजित विचार गोष्ठी में गहन विमर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि कानूनी या शासकीय प्राविधानों के साथ जब तक हमारी नैतिकता जागृत नहीं होगी ना तो मिलावट की विकृति दूर होगी ना बिजली पानी की व्यवस्था में सुधार आएगा। दवाइयों के मूल्यों को निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है।

वरिष्ठ समाजसेवी गुरु चरण बग्गा ने कहा कि नापतौल में गड़बड़ी करने पर एक लाख रु. जुर्माना लग सकता है यह प्रावधान है किन्तु इसे प्रचारित नहीं किया जाता। वरिष्ठ शिक्षाविद रमेशचंद्र चन्द्रे ने कहा कि दूध में यूरिया मिलाया जा रहा है। नापतोल के मापक यंत्र ही त्रुटिपूर्ण होते हैं। योग गुरु सुरेंद्र जैन ने कहा खाद्य विभाग जो सेम्पल भेजता है उसका क्या होता किसी को नहीं पता। पूर्व न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति मिलावट की शिकायत कर सकता है जिसके आधार पर खाद्य विभाग कार्यवाही करने को बाध्य है। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि पवित्र नगरी में खुले आम मांस मदिरा अण्डे बिकते हैं। धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। पत्रकार व समाजसेवी ब्रजेश जोशी ने कहा कि नगर में विद्युत व्यवस्था में अराजकता का दौर चल रहा है। वर्षा के पानी के संग्रहण हेतु आधुनिक प्रबंधन का अभाव है।

विचार गोष्ठी में हुई चर्चा में कहा गया कि इन तमाम सामाजिक और सांस्कृतिक विकृतियों में उम्मीद की किरण है हमारी नई पीढ़ी जो अब जेन जी के नाम से ज्यादा मशहूर होती जा रही है। यदि हम ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के दृष्टिकोण पर विचार करें तो यह देखने में आता है कि ग्रामीण युवाओं में रचनात्मक धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में आघात रुचि और प्रबंधन के गुण बड़े ही विकसित होते जा हैं। संस्कारों से युक्त हमारे ग्रामीण क्षेत्र की नई पीढ़ी यानी ग्रामीण जेन जी सकारात्मक दिशा में कमाल का काम कर सकती है। वक्ताओं ने कहा कि सिस्टम में बैठे लोग जब तक सुधार की दृढ़ इच्छा शक्ति ना दिखाएंगे तब तक व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाना कठिन है। दवाइयों की कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं है। 40 प्रतिशत मार्जिन में दवाएं बिकती है। दवाई कंपनियां बेहिसाब लूट मचा रही है। इन पर नियंत्रण जरूरी है। विद्युत व्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई है। बिजली के फॉल्ट ही नहीं मिलते ये हालत विद्युत मंडल की है। वर्षा काल में तो विद्युत मंडल ने 18 वीं शताब्दी का अहसास करा दिया। कई बार पूरी पूरी रात बिजली गुल रही। ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोल पंप पर भी घोर अनियमितता हो रही है। शासकीय विभागों की शिकायतों की जांच भी शासकीय अधिकारी ही करते हैं, जिसका कोई मतलब नहीं रह जाता। कितने आश्चर्य की बात है कि शिवना नदी का पानी चंबल में जाता है फिर उसे मंहगी लागत पर चम्बल से मंदसौर लाया जाता है।

अंत में चर्चा ओर विचार निवेश का निष्कर्ष यही निकला कि जब तक व्यक्ति में समाज में नैतिकता नहीं होगी सिस्टम को सुधार पाना असंभव है।

चौराहों पर शव रखकर हो रहे प्रदर्शन सनातन धर्म का अपमान व पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह-विजय गुर्जर

मुख्यमंत्री मोहन यादव को विजय गुर्जर ने पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग करी

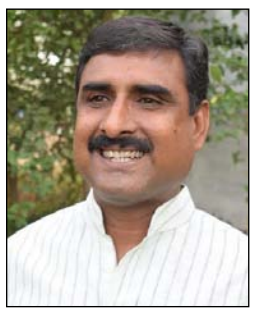

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले दिनों से यह चलन चल पड़ा है कि संसदीय क्षेत्र में मृतक व्यक्ति के शरीर को कभी रोड पर रखकर, कभी चौराहे पर रखकर तो कभी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने रखकर प्रदर्शन और विरोध किया जाने लगा है। इस परम्परा से हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान तो हो ही रहा है। साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर भी एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है। इस तरह के मामलों की जानकारी देकर पूर्व पार्षद विजय गुर्जर ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए जाने की आवश्यकता है

विजय गुर्जर ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि इस तरह के मामलों में अक्सर देखने में आता है कि पीड़ित ,मृतक परिवार के स्वजनों को उचित समय पर पुलिस प्रशासन द्वारा उचित सुनवाई एवं सहयोग नहीं मिल पाता है। जिसके परिणाम स्वरूप मृतक पीड़ित परिवार के स्वजन और संबंधित लोगों में आक्रोश उत्पन्न होकर बढ़ जाता है। जिसके परिणाम स्वरुप संबंधित स्वजन मृतक के शव को सीधे लेकर मेन रोडो, चौराहों पर या संबंधित कार्यालयों के सामने रखकर प्रदर्शन करते हैं। प्रदर्शन होते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो जाता है और उनसे बातचीत करता है कार्यवाही का आश्वासन देता है। यही काम पुलिस प्रशासन द्वारा धरना प्रदर्शन होने से पूर्व कर दिया जाए तो शव रखकर प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं पड़े। साथ ही इस तरह के आंदोलन की स्थिति भी निर्मित नहीं हो और सनातन व् हिंदू धर्म की परंपरा का अपमान होने से बचाया जा सके। विजय गुर्जर ने अंत में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग करी है पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि कोई भी आवेदन या घटना पुलिस अधिकारियों की जानकारी में आती है तो उसको शुरुवात में ही गंभीरता से लिया जाए। प्रारंभिक आवेदनो को एक तरफ रखने की बजाय उन पर तत्काल कार्यवाही की जाए तो इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता है। साथ ही इस तरह शव रखकर प्रदर्शन करने की घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

विश्व आदिवासी दिवस पर सीतामऊ में जयस का जनजागरण

राजा सत्ताजी भील की प्रतिमा एवं शासकीय संस्थाओं के नामकरण को लेकर एसडीएम को ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) सीतामऊङ्कमंदसौर द्वारा आदिवासी समाज के गौरव, इतिहास और संस्कृति के संरक्षण एवं सम्मान की मांग को लेकर सीतामऊ अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से वीर राजा सत्ताजी भील की प्रतिमा का अनावरण/स्थापना करने तथा क्षेत्र की शासकीय संस्थाओं एवं सार्वजनिक स्थलों का नामकरण आदिवासी महापुरुषों के नाम पर किए जाने की मांग प्रमुखता से रखी गई। जयस कार्यकर्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास संघर्ष, शौर्य और बलिदान से समृद्ध रहा है। ऐसे वीर महापुरुषों को सार्वजनिक रूप से सम्मान देना आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास और गौरव से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में सीतामऊ क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आदिवासी समाज के युवा एवं ग्रामीणजन रैली के रूप में एकत्रित हुए। पारंपरिक वेशभूषा, पीली पगड़ियों और आदिवासी संस्कृति के प्रतीकों के साथ निकली रैली ने समाज में एकता, जागरूकता और अधिकारों का संदेश दिया। इसके पश्चात बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मंदसौर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। जयस कार्यकर्ताओं ने कहा कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति, परंपरा और आदिवासी महापुरुषों के इतिहास का संरक्षण समाज की प्राथमिकता है। आदिवासी समाज अपने गौरवशाली इतिहास को सम्मान दिलाने और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से निरंतर आवाज उठाता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने जय जोहार, आदिवासी एकता जिंदाबाद जैसे नारों के साथ सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के कई वरिष्ठ गण माता बहने युवा साथी उपस्थित रहे।

सरकारी जमीनों में फर्जीवाड़े और अवैध कब्जे के खिलाफ 5 घंटे तक प्रदर्शन, पिता अनिल गुप्ता के खिलाफ बेटी भी सड़क पर बैठी

समिति ने तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल को ज्ञापन सौंपा, 15 दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के गांधी चौराहे पर रविवार को शासकीय जमीनों में फर्जीवाड़े और अवैध कब्जे के आरोपों को लेकर करीब 5 घंटे तक जोरदार प्रदर्शन हुआ। संयुक्त बेरोजगार नवयुवक एकता समिति के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में अनिल गुप्ता और उनके बेटे आशीष गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए गए। खास बात यह रही कि प्रदर्शन में अनिल गुप्ता की बेटी आरती गुप्ता भी अपनी बेटी पलक के साथ शामिल हुईं और पिता व भाई पर संपत्ति से बेदखल करने के आरोप लगाए।

सर्वे 624-625 की जमीन को लेकर मुख्य आरोप- प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सर्वे क्रमांक 624 और 625 की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में नगर पालिका परिषद मंदसौर के नाम दर्ज है। बावजूद इसके कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री और नामांतरण कराया गया। समिति ने दावा किया कि एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी और गिरदावर की मौके की जांच में भी जमीन शासकीय पाई गई थी, जिसके बाद वहां चल रहा निर्माण रुकवाया गया। समिति ने प्रशासन को मामले से जुड़े दस्तावेज, फोटो और वीडियो भी उपलब्ध कराने की बात कही।

अन्य कई जमीनों पर भी सवाल- समिति ने विमानतल क्षेत्र, बस स्टैंड के पास सर्वे नंबर 925 से 930 और 934, सर्वे 921 व 826, दलौदा-बानीखेड़ी, नाहर सय्यद तालाब, अफीम गोदाम रोड और सेंट थॉमस स्कूल के पीछे की जमीन को लेकर भी शिकायत की। आरोप है कि कई जगह स्वीकृत नक्शे और मौके की स्थिति में अंतर है, अवैध कब्जे और निर्माण हुए हैं। ठेकेदारी और निर्माण कार्यों में अनियमितता के भी आरोप लगाए गए। हालांकि इन सभी आरोपों की पुष्टि प्रशासनिक जांच के बाद ही हो सकेगी।

'हक मांगा तो घर से निकाला' - बेटी आरती का आरोप - प्रदर्शन के दौरान आरती गुप्ता ने अपने पारिवारिक विवाद को सार्वजनिक किया। उन्होंने बताया कि पति विनोद सिंघल के 2018 में निधन के बाद वह बेटियों के साथ मंदसौर आई थीं। शुरुआत में भरण-पोषण और संपत्ति में अधिकार देने की बात हुई थी, लेकिन 4 महीने पहले अधिकार मांगने पर विवाद बढ़ गया और उन्हें घर से बेदखल करने की धमकी दी गई। आरती ने एसपी सहित अन्य अधिकारियों को पहले भी शिकायत देकर मानसिक प्रताड़ना और सुरक्षा की मांग की थी। उन्होंने कहा, मेरे भाई आशीष गुप्ता सामाजिक संगठन के अध्यक्ष हैं, इसके बाद भी मुझे अपने हक के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है। मेरी दो बेटियां हैं, संपत्ति में अधिकार मिलने से मैं उनके भविष्य के लिए कुछ कर सकूंगी।

15 दिन में जांच का आश्वासन- प्रदर्शन का नेतृत्व समिति के प्रदेश अध्यक्ष वकील बंजारा और लेबर सेल के प्रदेश अध्यक्ष नईम शाह ने किया। नईम शाह ने शासकीय जमीनों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही आरती को अधिकार और सुरक्षा दिलाने की मांग रखी। 5 घंटे बाद समिति ने तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल को ज्ञापन सौंपा। तहसीलदार ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर 15 दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं आरोपों पर अनिल गुप्ता का पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

घी की गुणवत्ता जांच के लिए खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई, 2.32 लाख का घी जप्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल तथा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार एवं खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शनिवार को वीर पार्क रोड स्थित अग्रवाल संस घी डीलर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में मानव उपभोग के लिए विक्रय हेतु श्रीमूल ब्रांड के विभिन्न पैकिंग में शुद्ध घी एवं गाय का घी भंडारित पाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं मानक स्तर की जांच के लिए टीम द्वारा श्रीमूल ब्रांड के घी के कुल 8 नमूने लिए गए। लिए गए नमूनों में श्रीमूल गाय का घी एवं शुद्ध घी की 1 लीटर, 500 एमएल, 200 एमएल तथा 15 किलोग्राम टीन पैकिंग सहित 5 किलोग्राम पैकिंग के नमूने शामिल हैं। नमूना कार्रवाई के उपरांत शेष घी को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अधिग्रहित कर जप्त किया गया तथा विधिवत सीलबंद किया गया। जप्त किए गए घी की कुल मात्रा लगभग 179 लीटर एवं 302 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 32 हजार रुपये है। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा लिए गए सभी 8 नमूने मानक स्तरों की जांच के लिए खाद्य विश्लेषक, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, ईदगाह हिल्स भोपाल भेजे गए हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह एवं मुख्यमंत्री शर्मा का एक दिवसीय निम्बाहेड़ा दौरा प्रस्तावित

राज्य की सबसे ऊंची 21 फीट ऊंची अष्टधातु से निर्मित अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का करेंगे लोकार्पण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का 16 अगस्त, रविवार को एक दिवसीय निम्बाहेड़ा दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वे नगर परिषद निम्बाहेड़ा की ओर से पूर्ण कराए गए विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण एवं नवीन विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम में प्रदेश के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के शामिल होने की संभावना है।पूर्व यूडीएच मंत्री एवं निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित निम्बाहेड़ा दौरे को लेकर क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह है। उन्होंने बताया कि जेके चौराहे पर नगर परिषद द्वारा स्थापित भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा का लोकार्पण केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा। यह प्रतिमा राजस्थान में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्थापित प्रतिमाओं में प्रमुख एवं सबसे ऊंची प्रतिमाओं में से एक है।कृपलानी ने बताया कि इसके साथ ही भारत माता उद्यान, भारत माता की प्रतिमा एवं वीरांगना पन्नाधाय की प्रतिमा सहित निम्बाहेड़ा में पूर्ण किए गए विभिन्न विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया जाएगा। वहीं क्षेत्र के लिए प्रस्तावित विभिन्न नवीन विकास कार्यों का शिलान्यास भी केंद्रीय गृह मंत्री शाह एवं मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

कृपलानी ने कहा कि निम्बाहेड़ा के लिए यह गौरव और ऐतिहासिक महत्व का अवसर होगा। देश के लोकप्रिय नेता एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निम्बाहेड़ा आगमन क्षेत्रवासियों के लिए विशेष सौभाग्य की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान विकास की नई गति से आगे बढ़ रहा है और निम्बाहेड़ा भी इस विकास यात्रा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

सीतामऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 529 किलो डोडाचूरा और पिकअप जप्त, आरोपी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सीतामऊ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 529 किलो 690 ग्राम अवैध डोडाचूरा और एक बोलेरो पिकअप जप्त की है। इसकी कुल कीमत लगभग 15.59 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राम स्नेही मिश्रा एवं एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई थी।

थाना पुलिस के अनुसार 8 अगस्त और 9 अगस्त की दरमियानी रात करीब 2 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि अवैध डोडाचूरा लेकर एक बोलेरो पिकअप सीतामऊ-मंदसौर रोड से गुजरेगी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मूलचंद धाकड़ की टीम ने देवनारायण मंदिर के सामने, नागराज खेड़ा पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी देखकर बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी 14 जेडजी 6942 का चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। तलाशी लेने पर पिकअप में रखे 34 काले प्लास्टिक कट्टों में 5 क्विंटल 29 किलो 690 ग्राम डोडाचूरा मिला। पुलिस ने डोडाचूरा कीमती 10 लाख 59 हजार रुपये और पिकअप कीमती 5 लाख रुपये को जप्त कर लिया। इस संबंध में थाना सीतामऊ पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 426/2026 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक कमलेश प्रजापति, उपनिरीक्षक मूलचंद धाकड़ एवं थाना सीतामऊ की विशेष टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जहां संसार है वहां संघर्ष, जहां संयम है वहां समाधान-साध्वी अमी दर्शा श्री जी महाराज साहब

108 दंपति जोड़ों ने 108 नवकार मंत्र के जाप किए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संसार मन भटकाने वाला है। संसार असार है। संसार में चाहे कितना ही परिश्रम कर लो परिणाम में पाप कर्म ही मिलते हैं इसलिए पुण्य कर्मों से जुड़कर संयम जीवन का पालन करना चाहिए तभी हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है। आधुनिक युग में व्यक्ति धन कमाने में इतना व्यस्त हो गया है कि वह स्वयं के आत्म कल्याण के लिए 10 मिनट का समय नवकार मंत्र का जाप के लिए भी नहीं निकाल पाता है। चिंतन का विषय है।जहां संसार है वहां संघर्ष है,जहां संयम है वहां समाधान है। यह बात साध्वी अमी दर्शा श्री जी महाराज साहब ने कही।वे श्री भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में सुबह मिडिल स्कूल मैदान के समीप जैन भवन सभागार में आयोजित विशेष प्रवचन में उपस्थित समाज जनों को संबोधित करते हुए बोल रही थी। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रतिदिन 108 नवकार मंत्र के जाप करें तो हमारी आत्मा पवित्र हो सकती है और हम इस भवसागर से कर्मों की निर्जरा के साथ पार जा सकते हैं। नवकार का फल कभी निष्फल नहीं जाता है वह पाप कर्मों से हमारी रक्षा करता है। यदि हम निरंतर नवकार जाप करते हैं तो हमारी आत्मा पवित्र होती है जीव दया से स्वर्ग मिलता है और जीव हत्या से नरक की दुर्गति मिलती है। हमें सदैव जीव दया का पालन करना चाहिए। यदि हम निरंतर 25 साल तक 108 नवकार के जाप करें तो 9 लाख जाप होंने पर हमें मोक्ष मिल सकता है। धर्म सभा में नीमच की बेटी साध्वी मृदूपूर्णा श्री जी महाराज साहब ने कहा कि नवकार का जाप करते हैं तो हमें अगले जन्म में भी नवकार का पुण्य फल मिल सकता है।

इस अवसर पर 108 दंपति जोड़ों ने 108 नवकार मंत्र के जाप किया और नवकार मंत्र पर गुलाब पुष्प अर्पित कर अभिषेक भी किया। पूजा की थाली में श्रीफल अर्पित कर दीपक प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर चांदी की थाली पर डंका बजाकर हर्ष व्यक्त किया गया। प्रभु की प्रतिमा पर गुलाब के पुष्प अर्पित किए गए अक्षत गहुली से स्वास्तिक बनाया गया।

तपस्वियों की अनुमोदना- इस अवसर पर सभी समाज जनों ने तपस्वियों साध्वी केवल्य पूर्णा श्री जी के चव्यन 22 उपवास कर मास श्रमण की और अग्रसर होने के लिए सामूहिक रूप से अनुमोदना कर हर्ष हर्ष जय जय जय घोष लगा कर की गई। इस अवसर पर विभिन्न समाज जनों ने एकासना बियासना ?तैला,उपवास की तपस्या के लिए पंचखान मांगलिक श्रवण कर संकल्प भी लिया।इस अवसर पर भीड भंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल नागौरी, व पदाधिकारी सदस्य , वरिष्ठ समाज सेवी प्रेम प्रकाश जैन,सोभाग मल डोसी, पारस लसोड,मनीष कोठारी, राजेश मानव, मनीष मारु,सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।धर्म सभा का संचालन ट्रस्ट सचिव मनीष कोठारी ने किया।

किलेश्वर महादेव मंदिर से निकली भव्य कावड़ यात्रा, ढोल-ताशों और शिव भजनों पर झूमे श्रद्धालु

नीमच।(सतीश सैन) सावन के पावन अवसर पर रविवार को नीमच शहर शिव भक्ति में सराबोर नजर आया। लखेरा समाज ट्रस्ट नीमच के तत्वावधान में आयोजित भव्य कावड़ यात्रा में समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। सीआरपीएफ परिसर स्थित ऐतिहासिक किलेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हुई यात्रा में पूरे मार्ग पर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। ढोल-ताशों और बैंड की धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए आगे बढ़े। जगह-जगह पुष्पवर्षा और स्वागत से यात्रा का माहौल भक्तिमय बना रहा।

कावड़ यात्रा का शुभारंभ किलेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन एवं आरती के साथ हुआ। सुबह से ही समाज के महिला-पुरुष और युवा मंदिर परिसर में एकत्रित होने लगे। पंडित आचार्य के सानिध्य में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। पूजन-अर्चन और आरती के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कावड़ यात्रियों ने अपनी-अपनी कावड़ में पवित्र जल भरा।

भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है तिरंगा, घर घर तिरंगा हर घर मे होगा तिरंगा- विधायक सखलेचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर घर तिरंगा अभियान! केवल एक कार्यक्रम नही, बल्कि राष्ट्रभक्ति , राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का जन आंदोलन है ,। हम सभी का दायित्व है कि हर घर तिरंगा पहुचे ओर प्रत्येक हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना और अधिक प्रबल हो।

आइए हम सब मिलकर आज से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराकर देश की आन बान ओर शान भारत के तिरंगे का गौरव बढ़ाये तथा राष्ट के प्रति अपनी अटूट निष्ठा का परिचय दे

यह संदेश मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने दिया- वे भारतीय जनता पार्टी जिला नीमच की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक रविवार को शहर के एक निजी होटल में आयोजित बैठक के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे, विधायक सखलेचा ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमो , पार्टी की मैदानी गतिविधियों और संगठन को अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत मंथन किया विधायक श्री सखलेचा ने संगठन की मजबूती के साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक लोगो तक पहुचाने ओर आगामी कार्यक्रमो को सफल बनाने पर जोर दिया श्री सखलेचा ने बैठक में कार्यकर्ताओं के बीच अनुशासन , एकजुटता ओर सक्रियता के साथ ही घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा का संदेश देते हुए संगठनात्मक अभियानों को गति देने का आवाहन किया गया । बैठक में नीमच जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया संभाग प्रभारी सुरेश आर्य , सांसद सुधीर गुप्ता, जिला प्रभारी सुभाष पटेल, भाजपा जिला अध्यक्षा वंदना खण्डरवाल, नीमच विधायक दिलीप परिहार, मनासा विधायक अविरुद्ध मारु आदी।

सम्पादकीय

भारत के विरुद्ध पाकिस्तान- तुर्किये- सऊदी अरब का नया नाटो की तर्ज पर रक्षा समीकरण

दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की बदलती सामरिक परिस्थितियों में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ नया रक्षा समझौता अंतरराष्ट्रीय राजनीति की एक महत्वपूर्ण घटना है। 7 अगस्त 2026 को मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन की उपस्थिति में ÷ मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट÷ पर हस्ताक्षर हुए। समझौते का मूल प्रावधान यह है कि किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने इसे तकनीकी रूप से नाटो की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था के अनुच्छेद 5 के समान बताया है।

हालाँकि इस घटनाक्रम को समझने के लिए 2025 की घटनाओं पर लौटना आवश्यक है। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की हत्या हुई। इसके बाद भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारत सरकार के अनुसार पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई आतंकवादी ढाँचे पर केंद्रित थी और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया गया।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की आतंकवाद-रोधी नीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया था,भारत आतंकवादी हमले और उसके पीछे मौजूद बुनियादी ढाँचे के बीच अंतर नहीं करेगा और आवश्यकता पड़ने पर सीमा पार स्थित आतंकवादी ढाँचे के विरुद्ध लक्षित कार्रवाई कर सकता है। इसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव बढ़ा और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई की। अंततः संघर्षविराम की स्थिति बनी।

इसी व्यापक सामरिक पृष्ठभूमि में 17 सितंबर 2025 को पाकिस्तान और सऊदी अरब ने स्ट्रैटेजिक डिफेंस म्युचुअल एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया कि किसी एक देश के विरुद्ध आक्रमण दोनों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा। अमेरिकी सामरिक अध्ययन एजेंसी ने इसे नाटो के अनुच्छेद 5 जैसी भाषा वाला समझौता बताया था।लेकिन यह कहना कि यह समझौता केवल ऑपरेशन सिंदूर से घबराकर पाकिस्तान ने कराया, यह एक बड़ा कारण हो सकता है। सऊदी अरब की अपनी सुरक्षा चिंताएँ हैं और पाकिस्तान के साथ उसके दशकों पुराने सैन्य संबंध भी हैं। पाकिस्तान के लिए यह समझौता आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जबकि सऊदी अरब के लिए यह बदलते पश्चिम एशियाई सुरक्षा वातावरण में अपने सुरक्षा विकल्पों का विस्तार करने का माध्यम है। अतः इसके पीछे अनेक क्षेत्रीय कारण हैं।

2026 में इस समीकरण का दायरा और बढ़ गया। पाकिस्तानङ्कसऊदी समझौते में तुर्किये शामिल नहीं था, लेकिन अगस्त 2026 के मक्का समझौते ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये को एक साझा रक्षा ढाँचे में ला दिया। समझौते में नियमित रक्षा एवं विदेश नीति परामर्श, सामरिक सहयोग और एक स्थायी सचिवालय जैसी व्यवस्थाओं का भी प्रावधान है। तुर्किये ने यह भी स्पष्ट किया है कि समझौता किसी विशेष देश–ईरान या किसी अन्य राष्ट्र–के विरुद्ध लक्षित नहीं है। सबसे पहले, भारत को इसे तत्काल भारत-विरोधी सैन्य गठबंधनमानकर अपनी रणनीति बनानी होगी। यद्यपि समझौते में भारत का नाम शत्रु देश के रूप में नहीं है। तुर्किये ने भी इसे किसी विशेष राष्ट्र के विरुद्ध नहीं बताया है। इसलिए वर्तमान समय में इसे औपचारिक रूप से भारत के विरुद्ध गठित सैन्य गठबंधन का स्वरूप माना जा सकता है। दूसरा पहलू पाकिस्तान और तुर्किये के बढ़ते रक्षा संबंधों का है। तुर्किये ने पिछले वर्षों में पाकिस्तान के साथ रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग बढ़ाया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की पाकिस्तान के प्रति राजनीतिक और सामरिक निकटता भारत की निगाह में रही।

श्रावणी सोमवार : भवम् भवानी सहितम् नमामि

भारतीय अध्यात्म की समस्त साधना परम्पराओं का अंतिम लक्ष्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप–आत्मा–का बोध कराना है। शिव और शक्ति का मिलन केवल दार्शनिक प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक साधक के भीतर घटित होने वाली एक जीवंत आध्यात्मिक प्रक्रिया है। यही वह दिव्य रहस्य है जिसे सहज योग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने आधुनिक मानव के लिए सहज, वैज्ञानिक एवं अनुभवगम्य बनाया।

श्री माताजी के अनुसार शिव आत्मा के अधिष्ठाता देव हैं तथा शक्ति कुण्डलिनी स्वरूपा आदिशक्ति हैं। मानव के त्रिकोणाकार मूलाधार क्षेत्र में सुप्त अवस्था में स्थित यह दिव्य शक्ति जब जागृत होकर सूक्ष्म तंत्र की तीन नाड़ियों–इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना–तथा सातों चक्रों का भेदन करती हुई सहस्रार तक पहुँचती है, तब आत्मा और कुण्डलिनी का दिव्य मिलन होता है। यही क्षण साधक के आत्मसाक्षात्कार का प्रथम अनुभव है। यह अनुभव किसी मत, विश्वास या कल्पना का विषय नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभूति का विज्ञान है।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त साधक के भीतर चेतना का एक नवीन प्रवाह प्रारम्भ होता है। सूक्ष्म तंत्र में अमृतस्वरूप दिव्य चेतना प्रवाहित होने लगती है, जिसे सिर के तालु (ब्रह्मरन्ध्र) तथा हाथों की अंगुलियों के पोरों पर शीतल वायु की लहरियों के रूप में अनुभव किया जा सकता है। यही जीवंत चेतना साधक को आंतरिक शांति, मानसिक संतुलन, आध्यात्मिक सुरक्षा तथा क्षेम और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। यही कारण है कि सहज योग में आत्मसाक्षात्कार को आध्यात्मिक जीवन का आरम्भ माना गया है, अंत नहीं।

आदि शंकराचार्य ने भी इस दिव्य चेतना के उद्भव को सौन्दर्यलहरी के रूप में वर्णित किया है। वे लिखते हैं–

तवाधारे मूले सह समयया लास्यपरया।
नवात्मानं मन्ये नवरस महाताण्डव नटम्॥
उभाभ्यामेताभ्यामुदयविधिमुद्दिश्य दयया।
सनाथाभ्यां जज्ञे जनकजननीमज्जगदिदम्॥

अर्थात् मूलाधार में स्थित शक्ति और नवात्मा का दिव्य नृत्य ही सृष्टि के पुनर्जागरण का आधार है। उनकी संयुक्त कृपा से साधक एक नवीन जन्म प्राप्त करता है। यह पुनर्जन्म सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है–इसीलिए भारतीय परम्परा में इसे द्विज होना कहा गया है।

सहज योग इस श्लोक की आध्यात्मिक व्याख्या को प्रत्यक्ष अनुभव के स्तर पर स्थापित करता है। कुण्डलिनी का जागरण केवल ऊर्जा का उदय नहीं, बल्कि शिव और शक्ति के दिव्य मिलन की प्रक्रिया है। सहस्रार पर घटित यह आध्यात्मिक महारास साधक के हृदय में निर्मल चन्द्रमा के समान शीतल, करुणामय और आनन्दमय प्रकाश का अवतरण करता है। यही चेतना मनुष्य के भीतर प्रेम, करुणा, विवेक और आत्मविश्वास का स्थायी स्रोत बन जाती है।

आज का मानव तनाव, चिंता, असंतुलित जीवनशैली और मानसिक अशांति जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। ऐसे समय में सहज योग ध्यान केवल एक ध्यान-पद्धति नहीं, बल्कि समग्र मानव कल्याण का विज्ञान है। यह मनुष्य के मानसिक, भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक आयामों में संतुलन स्थापित करता है तथा मन और शरीर, व्यक्ति और समाज, तथा मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का सेतु निर्मित करता है।

वास्तव में, शिव तक पहुँचने का मार्ग शक्ति से होकर जाता है। जब कुण्डलिनी जागृत होकर आत्मा से मिलती है, तभी मनुष्य अपनी वास्तविक दिव्यता को पहचानता है। यही सहज योग का अद्वितीय संदेश है–शिव से मेल कराती शक्ति, और शक्ति का जागरण ही आत्मा की पूर्णता का द्वार है। यही जागरण मानव जीवन को भय से निर्भयता, अशांति से आनंद और अज्ञान से आत्मप्रकाश की ओर ले जाता है।

॥ शिवः शक्त्या युक्तो यदि भवति शक्तः प्रभवितुं ॥

मक्का का त्रिकोण- अलग हित, फिर साथ आने की जरूरत क्यों पड़ी?

मक्का में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान का रक्षा समझौता पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। 7 अगस्त को अल-सफा पैलेस में मोहम्मद बिन सलमान, रेजेप ताय्यिप एर्दोआन और शहबाज शरीफ ने इस पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी मौजूद रहे। समझौते के तहत एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह नाटो की धारा पांच जैसा प्रावधान है, हालाँकि नाटो की तरह बाध्यकारी सैन्य संरचना या स्पष्ट सैन्य कार्रवाई का प्रावधान सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। क्षेत्रीय अस्थिरता, ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष/युद्ध और अमेरिकी सुरक्षा-प्रतिबद्धताओं पर सवालों ने तीनों को सामूहिक सुरक्षा का विकल्प तलाशने को प्रेरित किया है। इसकी बुनियाद धार्मिक एकता से अधिक साझा असुरक्षा और क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता है।

मक्का में बनी यह सुरक्षा-धुरी अचानक नहीं बनी। इसकी पहली कड़ी पिछले वर्ष सितंबर में सऊदी अरब और पाकिस्तान के रणनीतिक पारस्परिक रक्षा करार से जुड़ी थी। तुर्की के शामिल होने से यह द्विपक्षीय ढांचा त्रिकोणीय हो गया है। संयुक्त बयान के अनुसार, लक्ष्य सामूहिक निवारक क्षमता मजबूत करना और रक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी साझेदारी केवल हमले की स्थिति में साथ खड़े होने तक सीमित नहीं है। हालांकि इसकी असली ताकत संकट में सामने आएगी। अभी स्पष्ट नहीं है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में बाकी दोनों का सहयोग राजनीतिक समर्थन तक रहेगा या सैन्य-रसद सहायता भी देनी होगी। समझौते का पूरा पाठ सार्वजनिक न होने से घोषणा और वास्तविक सैन्य प्रतिबद्धता के बीच दूरी बनी हुई है।

तीनों की क्षमताएं अलग हैं, लेकिन यही अंतर इस साझेदारी को वजन देता है। सऊदी अरब आर्थिक और वित्तीय ताकत के साथ इस्लामी दुनिया में आध्यात्मिक प्रभाव रखता है। तुर्की विकसित रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक, सैन्य आधुनिकीकरण और नाटो अनुभव से लैस है। पाकिस्तान परमाणु शक्ति, अनुभवी सशस्त्र बल और क्षेत्रीय सैन्य अनुभव लेकर इस ढांचे में आया है। इस तरह पूंजी, तकनीक और सैन्य क्षमता एक मंच पर मिलती हैं। तीनों ने इसे रक्षात्मक समझौता बताया है। उनके अनुसार, यह किसी देश के खिलाफ नहीं है, न सैन्य धुरी या सांप्रदायिक गुट है और न परमाणु महत्वाकांक्षा या हथियारों की होड़ से जुड़ा है। समझौते में अन्य क्षेत्रीय देशों के लिए भी शामिल होने का रास्ता खुला है।

भारत के लिए चुनौती नए मोर्चे से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली अतिरिक्त ताकत की है। समझौते से उसे सऊदी पूंजी और तुर्की तकनीक का सहारा मिल सकता है, जिससे उसका सामरिक आत्मविश्वास बढ़े। अतीत में बाहरी समर्थन मिलने पर पाकिस्तान की सीमा-पार गतिविधियों में आक्रामकता बढ़ने के उदाहरण रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब के साथ भारत के गहरे रिश्ते इस समीकरण को जटिल बनाते हैं। ऊर्जा, व्यापार, निवेश और खाड़ी में करोड़ों भारतीयों की मौजूदगी ने दोनों देशों के संबंध मजबूत किए हैं। इसलिए रियाध को भारत-विरोधी कदम उठाने वाला मानना उचित नहीं। तुर्की की पाकिस्तान के प्रति पुरानी सहानुभूति है, लेकिन भारत से उसके आर्थिक हित भी जुड़े हैं। लिहाजा यह समझौता भारत के खिलाफ सीधा मोर्चा नहीं, लेकिन रणनीतिक सतर्कता का संकेत है।

किसी समझौते की असली पहचान उसके ऐलान से नहीं, संकट में उसके निभाए जाने से होती है। इसलिए इसे 'इस्लामी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मामूली घटना मानना भी भूल होगी। सामूहिक रक्षा व्यवस्था की ताकत नाम नहीं, सदस्यों के आपसी भरोसे और संकट में कार्रवाई की क्षमता से तय होती है। सऊदी अरब और तुर्की में क्षेत्रीय नेतृत्व को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है, जबकि पाकिस्तान की आर्थिक निर्भरता उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता सीमित करती रही है। देखना होगा कि तीनों के साझा हित कितनी दूर साथ चलते हैं। मक्का समझौते की वास्तविक परीक्षा संकट में होगी। इसलिए इसे फिलहाल नाटो जैसी सक्रिय सैन्य शक्ति मानना उचित नहीं होगा।

बदलते क्षेत्रीय समीकरणों में भारत की सबसे बड़ी ढाल उसकी अपनी सामर्थ्य और सूझबूझ होगी। बहुध्रुवीय दुनिया में क्षेत्रीय शक्तियां अपनी सुरक्षा के नए ढांचे गढ़ रही हैं। ऐसे में भारत को खाड़ी देशों से ऊर्जा, व्यापार और निवेश के रिश्ते और मजबूत करने चाहिए। तुर्की के पाकिस्तान-झुकाव के बावजूद उसके साथ व्यावहारिक संवाद बनाए रखना जरूरी है। वहीं पाकिस्तान के संभावित उकसावे के सामने सैन्य तैयारी और विश्वसनीय निवारक क्षमता कायम रहनी चाहिए। भारत को न इस त्रिकोण से भयभीत होना है, न इसे हल्के में लेना है। आर्थिक शक्ति, आंतरिक स्थिरता, सैन्य क्षमता और कूटनीतिक सूझबूझ ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा-कवच हैं।

मक्का से निकला यह गठजोड़ जितने उत्तर देता है, उससे कहीं बड़ा सवाल छोड़ जाता है–क्या मुस्लिम दुनिया अपनी सुरक्षा का भार स्थायी रूप से खुद उठाने की राह पर है, या यह मौजूदा संकट की क्षणिक प्रतिक्रिया है? ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष, पश्चिम एशिया की उथल-पुथल और अमेरिकी विश्वसनीयता पर उठते सवालों ने ऐसी साझेदारी की जमीन तैयार की है। लेकिन परिस्थितियां बदलते ही इसकी मजबूती भी बदल सकती है। समय ही बताएगा कि यह त्रिकोण स्थायी सुरक्षा व्यवस्था बनता है या तात्कालिक भय से उपजा समीकरण साबित होता है। भारत के लिए संदेश स्पष्ट है–सीमा, ऊर्जा और क्षेत्रीय प्रभाव की सुरक्षा किसी बाहरी शक्ति या गठबंधन के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती।

रणनीति में स्थायी मित्र या विरोधी से ज्यादा मायने अपनी ताकत का होता है। मक्का समझौता नए सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। भारत को सऊदी अरब से रणनीतिक रिश्ते गहरे करने, तुर्की से संवाद बनाए रखने और पाकिस्तान के सामने निवारक क्षमता अडिग रखने की जरूरत है। नए गठबंधन बनेंगे, पुराने समीकरण बदलेंगे, लेकिन भारत की नीति भय या प्रतिक्रिया से नहीं, अपने हितों से तय होनी चाहिए। मक्का का संदेश भारत के लिए खतरे से ज्यादा एक महत्वपूर्ण चेतावनी और अवसर दोनों है। दुनिया बदल रही है, इसलिए भारत को आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति इतनी मजबूत करनी होगी कि बदलते गठबंधन उसके हितों को प्रभावित न कर सकें।

-प्रो. आरके जैन

उम्मीद पर खरा नहीं उतरा क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम!

पिछले कुछ दिनों से बाजार में क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) व्यवस्था सुर्खियों में रही है। अब तक जो संकेत मिले हैं वे इस ओर इशारा कर रहे हैं कि यह व्यवस्था वे फायदे नहीं दे पाई हैं जिनकी उम्मीद लगाई गई थी। यह प्रणाली पात्र डेरिवेटिव शेयरों के बंद भाव तय करने की पुरानी प्रणाली यानी 'वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस' (वीडब्ल्यूएपी) से बेहतर मानी जा रही थी। मगर ऐसा नहीं लग रहा है, कम से कम अब तक का अनुभव तो यही कहता है। हालांकि, कुछ बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

मगर इतना तो साफ है कि सीएएस ने बाजार से जुड़े कई लोगों को उलझन में डाल दिया है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 3 अगस्त को सीएएस की शुरुआत हुई थी। सीएएस पर जो शुरुआती टीका-टिप्पणी हुई है उनसे पता चलता है कि दुनिया में प्रचलित प्रणाली को अपनाना हमेशा कारगर साबित नहीं होता। इसके लिए भारतीय बाजार के तौर-तरीकों पर अवश्य विचार करना होगा।

सीएएस एक नीलामी आधारित प्रणाली है। इसके तहत एक खास 20 मिनट की कारोबारी अवधि (दोपहर 3~15 बजे से 3~35 बजे तक) में बाजार कारोबारियों की बोलियों के आधार पर वायदा एवं विकल्प (एफऐंडओ) के लिए पात्र शेयरों के सही बंद भाव तय किए जाते हैं। यह खास अवधि दोपहर 3~15 बजे नकद बाजार के बंद होने के बाद शुरू होती है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा शुरू सीएएस ने लगभग 26 साल पुरानी प्रणाली की जगह ली है। पुरानी प्रणाली में वीडब्ल्यूएपी के आधार पर शेयर के बंद भाव निर्धारित करने के लिए लगातार होने वाले कारोबार के आखिरी 30 मिनट पर विचार किया जाता था।

सीएएस की जद से बाहर प्रतिभूतियों के लिए कुछ नहीं बदला है। उनके बंद भाव निर्धारित करने का तरीका अब भी पुरानी प्रणाली यानी वीडब्ल्यूएपी है। भारतीय बाजारों की अंतिम कारोबार मूल्य (लास्ट ट्रेडेड प्राइस या एलटीपी) प्रणाली से वीडब्ल्यूएपी प्रणाली की तरफ कदम बढ़ाने की मुख्य वजह यह थी कि एलटीपी में दिन के आखिर में कीमतों में हेरफेर की आशंका बनी रहती थी। इसमें आखिरी कुछ सेकंड में हुआ एक छोटा सा लेनदेन भी शेयर के आधिकारिक बंद भाव को बदल सकता था।

सीएएस में नीलामी के अंत में लिवाल और बिकवाल दोनों के हितों का मिलान किया जाता है। जिस कीमत पर सबसे अधिक कारोबार हो सकता है वह बंद भाव बन जाता है। नतीजे सबके सामने हैं। नकद बाजार में कारोबार दोपहर 3.15 बजे खत्म होने और एफऐंडओ शेयरों के लिए सीएएस शुरू होने के बाद अलग-अलग शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव दिखे हैं।

-सुनील कुमार महला

बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ बच्चों तक नहीं पहुँचतीं

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों के हाथों में होता है और बच्चों का भविष्य उनकी शिक्षा, संस्कार तथा कल्पनाशक्ति पर निर्भर करता है। यही कारण है कि बाल साहित्य को किसी भी सभ्य समाज की सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है। बाल साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि वह बच्चे के व्यक्तित्व, भाषा, संवेदना, नैतिकता, कल्पना और चिंतन को आकार देने का कार्य करता है। कहानियाँ, कविताएँ, बालगीत, पहेलियाँ, चित्रकथाएँ और बाल पत्रिकाएँ बच्चों के भीतर जिज्ञासा और सृजनशीलता का विकास करती हैं।

विडंबना यह है कि आज उत्कृष्ट बाल साहित्य लिखा भी जा रहा है और अनेक प्रतिष्ठित बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ नियमित रूप से प्रकाशित भी हो रही हैं, फिर भी वे बच्चों तक नहीं पहुँच पा रही हैं। यह एक गंभीर सांस्कृतिक संकट है। जब बाल साहित्य बच्चों तक नहीं पहुँचेगा, तो वह अपने उद्देश्य को कैसे पूरा करेगा? यह प्रश्न केवल प्रकाशकों का नहीं, बल्कि पूरे समाज, शिक्षा व्यवस्था और अभिभावकों का भी है।

आज का बच्चा मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो गेम और सोशल मीडिया की दुनिया में अधिक समय बिता रहा है। उसके हाथ में कहानी की पुस्तक या बाल पत्रिका कम और मोबाइल फोन अधिक दिखाई देता है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, लेकिन जब वह पुस्तक संस्कृति का स्थान लेने लगे तो चिंता स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से बच्चों के लिए साहित्यिक पत्रिकाएँ उस आकर्षण और पहुँच का निर्माण नहीं कर सकीं, जिसकी आवश्यकता थी।

एक समय था जब नंदन, चंपक, बाल भारती, बालहंस, देवपुत्र, चकमक जैसी पत्रिकाओं का बच्चे बेसब्री से इंतजार करते थे। डाकिया जब पत्रिका लेकर आता था तो बच्चे उत्साह से उसे पढ़ते, चित्र देखते, पहेलियाँ हल करते और अपनी रचनाएँ भेजने का सपना देखते थे। इन पत्रिकाओं ने न जाने कितने लेखकों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और संवेदनशील नागरिकों को तैयार किया। आज वही परंपरा धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है।

इस समस्या का सबसे बड़ा कारण वितरण व्यवस्था की कमजोरी है। अधिकांश बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ सीमित प्रतियों में प्रकाशित होती हैं। वे बड़े शहरों तक तो किसी तरह पहुँच जाती हैं, लेकिन छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों तक नहीं पहुँच पातीं। पुस्तक विक्रेताओं के लिए भी बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ लाभ का बड़ा माध्यम नहीं होतीं, इसलिए वे उन्हें मंगाने में विशेष रुचि नहीं दिखाते।

विद्यालयों की भूमिका भी इस संदर्भ में निराशाजनक रही है। अधिकांश सरकारी और निजी विद्यालयों में पुस्तकालय तो हैं, लेकिन उनमें नई बाल साहित्यिक पत्रिकाओं का नियमित आगमन नहीं होता। पुस्तकालय यदि हैं भी तो बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने का अवसर बहुत कम मिलता है। परीक्षा-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था ने पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त पढ़ने की संस्कृति को लगभग समाप्त कर दिया है।

अभिभावकों की सोच भी बदल गई है। वे बच्चों के लिए महंगे खिलौने, मोबाइल और कोचिंग पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन वर्ष भर की किसी बाल पत्रिका की सदस्यता लेने में रुचि नहीं दिखाते। उन्हें लगता है कि परीक्षा में अंक लाने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें पर्याप्त हैं। वे यह भूल जाते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए केवल अंक नहीं, बल्कि भाषा, कल्पना, संवेदनशीलता और व्यक्तित्व भी आवश्यक हैं।

बाल साहित्य के प्रचार-प्रसार में मीडिया की उदासीनता भी एक कारण है। समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर फिल्मों, खेलों और मनोरंजन की भरमार है, लेकिन बाल साहित्य पर चर्चा बहुत कम दिखाई देती है। जब किसी क्षेत्र को पर्याप्त सार्वजनिक स्थान नहीं मिलेगा, तो उसकी लोकप्रियता भी सीमित रह जाएगी।

आज के डिजिटल युग में बाल साहित्यिक पत्रिकाओं को भी समय के साथ बदलने की आवश्यकता है। केवल मुद्रित संस्करण पर्याप्त नहीं हैं। यदि पत्रिकाएँ मोबाइल ऐप, ई-पत्रिका, ऑडियो कहानियाँ, एनिमेटेड कविताएँ और इंटरैक्टिव सामग्री के रूप में बच्चों तक पहुँचें, तो उनकी उपयोगिता और लोकप्रियता दोनों बढ़ सकती हैं। तकनीक को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी बनाया जाना चाहिए।

भाषा का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। बच्चों की भाषा सरल, रोचक और संवादात्मक होनी चाहिए। कई बार बाल पत्रिकाओं की सामग्री अत्यधिक उपदेशात्मक या कठिन हो जाती है, जिससे बच्चे उसमें रुचि नहीं लेते। आधुनिक बच्चे की जिज्ञासाओं, विज्ञान, पर्यावरण, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, खेल, लोककथाओं और समकालीन विषयों को भी रचनात्मक ढंग से शामिल करना आवश्यक है।

सरकारी स्तर पर भी गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है। शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में चुनिंदा बाल साहित्यिक पत्रिकाओं की अनिवार्य सदस्यता सुनिश्चित कर सकता है। राष्ट्रीय और राज्य पुस्तकालय योजनाओं में बाल साहित्य को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यदि मिड-डे मील बच्चों के शारीरिक पोषण के लिए आवश्यक है, तो बाल साहित्य उनके बौद्धिक और सांस्कृतिक पोषण के लिए उतना ही आवश्यक है।

लेखकों और संपादकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझते हुए ऐसी सामग्री तैयार करनी होगी जो मनोरंजक भी हो और ज्ञानवर्धक भी। बाल साहित्य बच्चों को उपदेश देने का माध्यम नहीं, बल्कि उनके साथ मित्रवत संवाद का माध्यम होना चाहिए।

समाज में पढ़ने की संस्कृति विकसित करना भी समय की मांग है। परिवार में यदि माता-पिता स्वयं पुस्तकें पढ़ेंगे, तो बच्चे भी पढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। विद्यालयों में ÷एक पीरियड पुस्तकालय के नाम÷, ÷मासिक पत्रिका दिवस÷, ÷कहानी पाठ÷, ÷बाल लेखक से संवाद÷ और ÷पुस्तक मित्र अभियान÷ जैसे कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं।

यह भी आवश्यक है कि बाल साहित्य को केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित न रखा जाए। बच्चों को पत्रिकाओं में अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और पत्र प्रकाशित कराने के अवसर मिलने चाहिए। जब बच्चा स्वयं किसी पत्रिका का हिस्सा बनता है, तो उसका उससे भावनात्मक संबंध भी मजबूत होता है।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण है। वहाँ अनेक बच्चों के पास डिजिटल संसाधन सीमित हैं। यदि गुणवत्तापूर्ण बाल पत्रिकाएँ विद्यालयों और पंचायत पुस्तकालयों तक नियमित पहुँचें, तो वे बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

बाल साहित्य किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करता है। यह बच्चों को केवल भाषा नहीं सिखाता, बल्कि जीवन जीने की कला, मानवीय मूल्य, प्रकृति प्रेम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सिखाता है। यदि हमारी आने वाली पीढ़ी पुस्तकों और पत्रिकाओं से दूर होती गई, तो उसका प्रभाव केवल साहित्य पर नहीं, बल्कि समाज के बौद्धिक और नैतिक विकास पर भी पड़ेगा।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ क्यों प्रकाशित हो रही हैं; प्रश्न यह है कि वे बच्चों तक क्यों नहीं पहुँच रहीं। जब तक लेखक, प्रकाशक, विद्यालय, अभिभावक, सरकार और समाज मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक श्रेष्ठ बाल साहित्य सीमित दायरों में ही सिमटा रहेगा।

आज आवश्यकता केवल नई पत्रिकाएँ निकालने की नहीं, बल्कि बच्चों तक उन्हें पहुँचाने की है। क्योंकि जिस दिन हर बच्चे के हाथ में फिर से एक अच्छी बाल साहित्यिक पत्रिका होगी, उसी दिन पढ़ने की संस्कृति, कल्पनाशक्ति और मानवीय संवेदनाएँ भी नए उत्साह के साथ लौटेंगी। यही भविष्य के जागरूक, संवेदनशील और सशक्त भारत की सबसे मजबूत नींव होगी।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

दोयम दर्जे के निर्माण का सिलसिला

लगभग एक माह पहले जब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण हुआ था तो उसे आधुनिक एक्सप्रेसवे की संज्ञा दी गई थी, लेकिन बरसात शुरू होते ही यह जगह-जगह धंसने लगा। इस एक्सप्रेसवे का इंतजार कानपुर और लखनऊ के साथ अन्य शहरों के लोग पिछले 15 वर्षों से कर रहे थे। जब यह एक्सप्रेसवे बार-बार धंसना शुरू हुआ तो उसका निर्माण करने वाली कंपनी पीएनसी इन्फ्रा के कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई और पैच वर्क करके आवागमन बहाल करने के कदम उठाए गए।

कहना कठिन है कि यह एक्सप्रेसवे कब तक ठीक हो सकेगा, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि इसमें निर्माण की कमियां सामने आने से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की किरकिरी हो रही है। यह कोई पहला ऐसा एक्सप्रेसवे नहीं, जिसमें किसी तरह की खामी सामने आई हो। यह एक्सप्रेसवे जिस तरह बार-बार अनेक स्थानों पर धंसा, उससे यही स्पष्ट होता है कि जिन एजेंसियों के हाथों में इन्फ्रास्ट्रक्चर बनवाने की जिम्मेदारी है, उनका कामकाज ठीक नहीं है।

हमारे देश में अधिकांश परियोजनाएं सरकारी पैसों अर्थात जनता के धन से बनती हैं। इस तरह की परियोजनाएं एनएचएआइ, सीपीडब्ल्यूडी, एनबीसीसी या राइट्स जैसे भारत सरकार के उपक्रमों के जरिये पूरी की जाती हैं। क्या ये उपक्रम निर्माण के विश्वस्तरीय गुणवत्ता के मानकों से परिचित नहीं या फिर उन्होंने दोयम दर्जे के मानकों को ही विश्वस्तरीय समझ रखा है?

अपने देश में बहुत कम परियोजनाएं समय पर पूरी होती हैं और गुणवत्ता के मानकों पर खरी उतरती हैं। सरकारी एजेंसियां सीधे तौर पर निर्माण कार्य नहीं करतीं, बल्कि निजी क्षेत्र की कंपनियों के जरिये काम कराती हैं और उनके काम की निगरानी करती हैं। अब इसमें संदेह नहीं कि सरकारी एजेंसियां निजी कंपनियों के कार्यों की सही तरह निगरानी नहीं कर पा रही हैं। यही बात बुनियादी ढांचे का निर्माण करने वाली राज्य सरकार की एजेंसियों पर भी लागू होती है। इसका कारण जवाबदेही का अभाव और भ्रष्टाचार है।

जब किसी परियोजना में खामी-खराबी का मामला सामने आता है तो सरकारी एजेंसियां संबंधित कंपनी पर जुर्माना लगाती हैं और उन्हें काली सूची में भी डालती हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है। दोयम दर्जे के निर्माण का सिलसिला कायम है। इसके चलते जनता के धन की बर्बादी ही हो रही है। हैरानी यह है कि आधारभूत ढांचे का निर्माण करने वाली जिन कंपनियों को काली सूची में डाला जाता है, वे कई बार नाम बदलकर फिर सरकारी एजेंसियों का काम करने लगती हैं। सरकारें इससे परिचित हैं कि सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों के बीच जो साठगांठ है, वही दोयम दर्जे के बुनियादी ढांचे के निर्माण का कारण बन रही है, लेकिन यह साठगांठ टूट नहीं पा रही है।

जब किसी निर्माण कार्य के लिए टेंडर निकाला जाता है तो निजी कंपनियों को अनेक शर्तों से बांधा जाता है, लेकिन यह देखने में आ रहा है कि कई कंपनियां इन शर्तों पर खरी न उतर पाने के बावजूद बड़े-बड़े ठेके पा जाती हैं। हमारे नीति- नियंता इससे परिचित हैं कि टेंडर प्रक्रिया में खामियां हैं, लेकिन वे उसे दूर कर पाने में नाकाम हैं। समय आ गया है कि टेंडरिंग प्रक्रिया में तकनीकी बोली और लोएस्ट बिडिंग के नियमों में बदलाव किया जाए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दोयम दर्जे का निर्माण करने वाली कंपनियों को दंडित करने के आश्वासन कई बार दे चुके हैं, लेकिन स्थिति बदल नहीं पा रही है। लगातार यह सामने आ रहा है कि सड़कों का निर्माण सही डिजाइन और इंजीनियरिंग के तहत नहीं हो पा रहा है। इसका परिणाम यह है कि एक्सप्रेसवे और हाईवे में ऐसे ब्लैक स्पाट बन जा रहे हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। जब प्रसिद्ध उद्योगपति सायरस मिस्त्री की एक मार्ग दुर्घटना में मृत्यु हुई थी तो राजमार्ग मंत्रालय ने कहा था कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि राजमार्गों के निर्माण में ब्लैक स्पाट न निर्मित होने पाएं, लेकिन अभी भी सड़कों के साथ-साथ पुलों और अन्य आधारभूत ढांचे के निर्माण में इंजीनियरिंग की बुनियादी खामियां देखने को मिलती हैं। अपने देश में चार-पांच सौ वर्ष पुराने कई किले और हवेलियां अभी भी सही-सलामत हैं। अंग्रेजों के बनाए अनेक पुल और भवन भी कायम हैं, लेकिन आजादी के बाद निर्मित बुनियादी ढांचा टिकाऊ नहीं साबित हो पा रहा है।

क्या आजादी के बाद हम मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण करना भूल गए? बात केवल सड़कों और पुलों की ही नहीं, अन्य बुनियादी ढांचे में व्याप्त खामियों की भी है। इनमें नई बनी कालोनियां भी हैं। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान दे रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश भर में एक व्यापक बुनियादी ढांचे का निर्माण भी हुआ है, लेकिन यह कहना कठिन है कि यह निर्माण गुणवत्ता के मानकों पर खरा साबित हुआ है।

ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि बुनियादी ढांचे का निर्माण करने वाली सरकारी एजेंसियों की कार्यप्रणाली में जवाबदेही का अभाव है। बहुत कम निजी कंपनियां ऐसी हैं, जिनकी ओर से कराए गए निर्माण कार्य गुणवत्ता की कसौटी पर खरे साबित हो पा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में गुणवत्तापूर्ण निर्माण का कौशल और तकनीक नहीं है, लेकिन एक के बाद एक सरकारों ने ठोस एवं टिकाऊ निर्माण को सुनिश्चित करने को कभी भी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी। मोदी सरकार भी तमाम प्रयत्नों के बावजूद गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित नहीं कर पा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी हर क्षेत्र में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात करते चले आ रहे हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकारी एजेंसियां ही उनकी बातों पर गौर नहीं कर रही हैं। अब समय आ गया है कि सरकारी एजेंसियों को सख्त जवाबदेही के दायरे में लाया जाए, अन्यथा अरबों रुपये का जो बुनियादी ढांचा निर्मित हो रहा है और जिसकी देश को जरूरत भी है, वह सरकारी एजेंसियों और भ्रष्ट ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण वैसे ही समस्याएं खड़ी करेगा, जैसी लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे ने की।

-धनंजय राजौरा

आज से लगेंगे इंदौर के 200, उज्जैन के 130

मानी गई बस संचालकों की मांगे, लोगों पर पड़ेगा अतिरिक्त आर्थिक भार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बस संचालकों द्वारा रखी गई सात सूत्रीय मांगों को मान लिया गया। इसके चलते बस संचालकों द्वारा 7 अगस्त से की जाने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल को रद्द कर दिया गया। इधर बस संचालकों की मांगों के अनुसार शासन द्वारा जारी राजपत्र के अनुसार प्रत्येक बस यात्रियों के किराए की बढ़ोतरी की गई है। शासन द्वारा तय किए गए किराए के अनुसार प्रत्येक यात्री से बस संचालक द्वारा 2 रुपए प्रतिकिमी के मान से किराया वसूला जाएगा। जिसके चलते अब इंदौर जाने वालों को 120 के बजाए 200 और उज्जैन जाने वाले यात्रियों को 130 रू. किराया देना होगा।

दरअसल प्रदेश सरकार की नई स्टेज कैरिज परिवहन नीति के विरोध में प्रदेशभर के निजी बस संचालकों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया था। बस संचालकों की प्रमुख मांग थी कि 7 जुलाई 2026 को जारी नई स्टेज कैरिज परिवहन नीति को तत्काल वापस लिया जाए। 6 जुलाई 2026 को जारी टेंडर निरस्त किए जाए। डीजल, टायर और स्पेयर पार्ट्स की बढ़ती कीमतों को देखते हुए बस किराए में वृद्धि की जाए। प्रदेश में तैयार खड़ी लगभग 1200 नई बसों के पंजीयन का मार्ग प्रशस्त किया जाए। पहले से पंजीकृत बसों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही बसों के लिए 15 वर्ष की आयु सीमा समाप्त कर फिटनेस के आधार पर परमिट जारी करने, परमिट नवीनीकरण, परमिट ट्रांसफर और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने तथा अंतरराज्यीय मार्गों के परमिटों की स्वीकृति शीघ्र देने की भी मांग की गई थी। इन मांगों के संबंध में गत दिनों मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के बैनर तले शाजापुर में भी प्राइवेट बस एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया था। जिसे मान लिया गया है।

40 प्रतिशत तक होगी किराए में वृद्धि- प्राइवेट बस एसोसिएशन शाजापुर के कोषाध्यक्ष सुमित नागर ने बताया कि सरकार द्वारा बस किराया वृद्धि के लिए जो नोटिफिकेशन जारी किया है उसके अनुसार 2 रुपए प्रति किलोमीटर किराया तय किया गया है। इसके चलते शाजापुर से इंदौर-उज्जैन रूट के लिए बस किराए की सूची तैयार की गई है। जिसे आज से लागू किया जाएगा। बताया गया कि नए नियम से बस किराए में करीब 40 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी।

इंदौर का किराया 120 से सीधे 200 रुपए होगा-वर्तमान बस किराए की बात की जाए तो शाजापुर से इंदौर तक जाने के लिए सामान्य यात्री बसों का किराया 120 रुपए प्रति सवारी था। विगत 5 वर्ष से बस किराए में वृद्धि नहीं की गई थी। इसके चलते अब किराए को बढ़ाया गया है। ऐसे में अब शाजापुर से इंदौर तक का किराया 200 रुपए प्रति सवारी होगा। इसी तरह शाजापुर से उज्जैन का किराया जो पूर्व में 90 रुपए प्रति सवारी था वो बढकर अब 130 रुपए प्रति सवारी होगा। ऐसे में इंदौर जाने वाले प्रत्येक यात्री को जहां 80 रुपए अतिरिक्त देना होंगे, वहीं उज्जैन जाने वाले यात्री को 40 रुपए अतिरिक्त भुगतान करना होगा। शाजापुर से देवास का किराया 120 रुपए, शाजापुर से मक्सी का किराया 50 रुपए तय किया जाएगा। इससे आम यात्रियों पर आर्थिक भार बढ़ेगा।

हजारों यात्रियों पर पड़ेगा असर- शाजापुर से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में यात्री उज्जैन और इंदौर की ओर यात्रा करते है। इसके साथ ही अन्य रुटों पर मिलाकर प्रतिदिन हजारों यात्री बस का सफर करते है। ऐसे में सभी जगह पर किराया वृद्धि किए जाने के कारण इन सभी बस यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। जिसका सीधा असर सभी यात्रियों पर पड़ेगा। ऐसे में अब लोग बस की जगह ट्रेन से सफर करने में भी ज्यादा रूची दिखाएंगे।

धूमधाम से मनाया अ जा जिलाध्यक्ष कॉंग्रेस विजय परमार का जन्मदिन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोनकच्छ के महाकाल गार्डन में जिला अध्यक्ष विजय परमार का जन्मदिन बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उनके चाहने वाले, शुभचिंतक एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित हुए। साथ ही जगह-जगह आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया और विजय परमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश शासन सज्जन सिंह वर्मा रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथिगण एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों के रूप में मनोज राजानी , प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस; ठाकुर दिगपाल सिंह , जामगोद साब; विश्वजीत चौहान एवं जगदीश चौहान, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस; ठाकुर सोदानसिंह पंवार, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र सिंह 4ड्ढह्यद्धश्ठ्ठड्ड ह्लड्डह्यश्स्र जिला पंचायत सदस्य; मनोहर सिंह सेंधव , महामंत्री; अजय जैन, नगर अध्यक्ष सोनकच्छ सहित सुरेंद्र गौतम , कप्तान जी, मुक्ति कुरेशी, लाठी साहब, रोटरी क्लब के मनोहर, शोएब खान, अजय मालवीय शैलेंद्र टोंगिया, चेतन ढोलपुरे, बलवान कुशवाह, राज फागवा, राहुल ठाकुर, सुरेंद्र भाटी, विक्रम बामनिया, राहुल गोरवा, पोलाया, आयुष्मान ठाकुर,सोहन बडवाया, सुनील बडवाया, सोहन ठाकुर, हितेश बामनिया, दिलीप नागर, जितेंद्र नागर, राजाराम परमार, संत शिरोमणि भीखा जी महाराज समस्त टीम राधेश्याम चौधरी, बलवान पटेल, अली हुसैन पटेल, रघुनंदन ठाकुर, अनिल स्रद्द्ग्वद्बद्ब4ड्ड , अखिलेश मालवीय सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ एवं युवा साथी उपस्थित हुए। साथ ही देवास जिले के समस्त ब्लॉक/मंडल अध्यक्ष, जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी, अ.जा. विभाग, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सेवादल एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। विजय परमार ने अपार स्नेह, आशीर्वाद, आत्मीय स्वागत एवं शुभकामनाओं के लिए सभी सम्माननीय अतिथियों, वरिष्ठजनों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, मित्रों एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार माना।

एनएसयूआई ने पुष्पवर्षा कर भव्य आदिवासी शौर्य यात्रा का किया जोरदार स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर देवास शहर में निकाली गई भव्य आदिवासी शौर्य यात्रा का भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा जिलाध्यक्ष श्रीकांत चौहान के नेतृत्व में गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। शौर्य यात्रा के स्वागत के लिए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष स्वागत मंच लगाया गया था। जैसे ही शौर्य यात्रा स्वागत मंच के समीप पहुँची, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष श्रीकांत चौहान के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल समाजजनों, युवाओं एवं लोक कलाकारों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा और जननायक टंट्या भील के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीरज नागर ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और देश के विकास में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्र हितों के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए सदैव आवाज उठाती रही है। इस दौरान एनएसयूआई के पदाधिकारी राजा धाकड़, पृथ्वी राज चौहान, मनजीत ठाकुर, विशाल सोलंकी, कान्हा अहीरवाल, प्रिंस घोरप्रतापी,मनोज बामनिया, लखन, अंशुल, जय धाकड़, छात्र नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और शौर्य यात्रा में शामिल समाजजनों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

दो आरोपियों ने चुराई थी बाईक, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

मोहन बड़ोदिया पुलिस को मिली सफलता

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बाइक बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई गई है। इस पूरी कार्रवाई का खुलासा रविवार शाम 5 बजे किया गया।

पुलिस के अनुसार, फरियादी मोहनलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त को वह अपनी बाइक से खेत पर काम से गए थे। उन्होंने बाइक खेत के बाहर रास्ते में खड़ी की थी, लेकिन कुछ देर बाद वापस लौटने पर मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। अज्ञात व्यक्ति द्वारा बाइक चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ पूर्व में चोरी की घटनाओं में संलिप्त संदिग्धों से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र भी सक्रिय किया। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने जसवाड़ा पुलिया के पास घेराबंदी कर सोनू पिता लखन कंजर (26) निवासी माधौपुर कंजर डेरा को पकड़ा। आरोपी के कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी सोनू को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस इस मामले में आरोपी के एक साथी की तलाश कर रही है।

एकादशी पर खाटूश्याम धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्याम भक्तों ने किए दर्शन-पूजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमृत नगर स्थित श्री खाटूश्याम धाम में एकादशी पर्व पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह से ही शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम भक्त बाबा के दर्शन के लिए धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य श्याम बाबा के चरणों में शीश नवाकर परिवार एवं नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का आकर्षक एवं अलौकिक श्रृंगार चमेली, चंदन और रंग-बिरंगे पुष्पों से किया गया। भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर भोग आरती संपन्न हुई। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में भजन गायक हिमांशु विजयवर्गीय एवं राधा ठाकुर ने मधुर श्याम भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया।ङ्खइस अवसर पर अमिताभ शुक्ला ने कालानीबाग स्थित अपने निवास से परिवार सहित निशान पदयात्रा निकालकर खाटूश्याम धाम पहुंचकर बाबा को निशान अर्पित किया तथा शहर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पवित्र ज्योत प्रज्वलित कर बाबा श्याम की भव्य महाआरती भी की गई। महोत्सव में मंदिर संस्थापक श्याम शर्मा, ओमप्रकाश बंसल, विक्रम शर्मा, राजीव खंडेलवाल, पूर्णिमा खंडेलवाल, गणेश विजयवर्गीय, संजय कसेरा, पीयूष शर्मा, जितेंद्र तिवारी, राजा पड़ियार सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

करणी सेना की तिरंगा यात्रा, राजनीतिक दल बनाकर लड़ेंगे चुनाव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। करणी सेना परिवार के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा 15 अगस्त के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इसमें करणी सेना परिवार के सदस्यों के साथ सर्व समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा में 100 से अधिक ट्रैक्टर और कई मोटर साइकिले थी। लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए। शहर में जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा दोपहर करीब 12 बजे मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण से शुरू हुई। यह तिरंगा यात्रा ट्रैफिक पाइंट, बस स्टैंड, नई सड़क, आजाद चैक, छोटा चैक, सोमरिया बाजार, कंस चैराहा, कुम्हारवाड़ा घाटी, महूपुरा चैराहा और गायत्री मंदिर होते हुए महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल पर पहुंचेगी। यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद यात्रा टंकी चैराहा पहुंची जहां आमसभा हुई। करणी सेना परिवार के प्रमुख जीवनसिंह शेरपुर, सोनू बना और मीडिया प्रभारी दिनेश केलकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। जीवनसिंह शेरपुर ने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह से राष्ट्रसेवा और राष्ट्रहित को समर्पित है। शेरपुर ने सरकार से राष्ट्रहित से जुड़े सभी मुद्दों पर तत्काल संज्ञान लेने और उनका निराकरण करने की मांग की। करणी सेना द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर के नेतृत्व में भी मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पर करणी सेना के जीवनसिंह शेरपुर का स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सर्व हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

खाद की गुणवत्ता से खिलवाड़ पड़ा भारीः गणेश फास्फेट के मैनेजर-क्वालिटी कंट्रोलर पर एफआईआर, 25 टन एनपीके खाद जांच के घेरे में

और भी कई खाद की फैक्ट्री में बन रहा है जिले में नकली खाद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिले में उर्वरक निर्माताओं, विक्रेताओं एवं भंडारण स्थलों की लगातार जांच की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय निरीक्षण दल ने गणेश फास्फेट प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र देवास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक निर्माण में आवश्यक तत्वों की निर्धारित पूर्ति नहीं करने, आवश्यक अभिलेखों का संधारण नहीं करने तथा प्रयोगशाला परीक्षण के बिना उर्वरक विक्रय किए जाने से संबंधित अनियमितताएं सामने आई। इसके बाद फैक्ट्री मैनेजर दिनेश कुमावत एवं क्वालिटी कंट्रोलर महेश कुमार के विरुद्ध औद्योगिक क्षेत्र थाना देवास में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

निरीक्षण के दौरान इकाई में एनपीके 12ऱ32ऱ06 ग्रेन्यूलेटेड मिक्सचर फर्टिलाइजर का स्टॉक पाया गया। मौके पर उपलब्ध लगभग 25 मीट्रिक टन उर्वरक का नियमानुसार नमूना लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अब प्रयोगशाला रिपोर्ट पर नजर है। उर्वरक अमानक पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जांच दल में सहायक संचालक कृषि पिंटू जामोद, सहायक संचालक कृषि लोकेश गंगराड़े, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राहुल जायसवाल, दिनेश परमार एवं जीवन बड़े शामिल रहे।

उपसंचालक कृषि जीएस मोहनिया ने बताया कि प्रयोगशाला परीक्षण में उर्वरक अमानक पाया जाता है अथवा जांच में नियमों का उल्लंघन प्रमाणित होता है तो संबंधित निर्माता, फर्म, वितरक अथवा अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा अन्य लागू प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि उर्वरक केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदें तथा प्रत्येक खरीद की पक्की रसीद या बिल अवश्य प्राप्त करें। उर्वरक खरीदते समय बोरी पर निर्माता या फर्म का नाम, लॉट नंबर, निर्माण तिथि, पोषक तत्वों का विवरण, निर्धारित मूल्य एवं विक्रय दर की जांच करें। बिना बिल उर्वरक देने, निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने अथवा गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर तत्काल कृषि विभाग के संबंधित अधिकारी को सूचना दें।एक और ज्यादा तेज विकल्प 25 टन खाद पर शक, जांच शुरू; गणेश फास्फेट के मैनेजर और क्वालिटी कंट्रोलर पर एफआईआर।

आठ माह पहले नाबालिग का किया था अपहरण, न्यायालय ने सुनाई 5 साल की सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष न्यायालय (पाक्सो एक्ट) ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर घर से ले जाने के मामले में आरोपी राहुल प्रजापति को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने आरोपी को 5 वर्ष के कठोर कारावास और कुल 4 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। मीडिया सेल प्रभारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि यह मामला 2 दिसंबर 2025 को शुजालपुर मंडी थाने में दर्ज कराया गया था। पीड़िता के मामा ने शिकायत में बताया था कि उनकी 17 वर्षीय भांजी बचपन से उनके साथ रहती थी। 1 दिसंबर 2025 की रात करीब 8 बजे जब वे रेस्टोरेंट में काम करने गए थे, तब घर पर उनकी पत्नी और भांजी मौजूद थीं। रात करीब 11 बजे लौटने पर भांजी घर पर नहीं मिली। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 दिसंबर 2025 को पीड़िता को आरोपी राहुल प्रजापति निवासी शुजालपुर मंडी के कब्जे से दस्तयाब किया। विवेचना पूरी होने के बाद प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने आरोपी को धारा 137(2) बीएनएस में 5 वर्ष कठोर कारावास और 2 हजार रुपए अर्थदंड तथा धारा 87 बीएनएस में भी 5 वर्ष कठोर कारावास और 2 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन प्रदीप कुमार भेटेले एवं अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी रमेश सोलंकी ने पैरवी की।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में इटर्नल स्कूल को मिला पहला स्थान

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इटर्नल स्कूल आफ स्टडीज के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए मध्य प्रदेश पर्यटन की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में कुल 145 टीमों ने सहभागिता की, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इटर्नल स्कूल आफ स्टडीज की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा रवीना त्रिपाठी, ज्योति सोलंकी एवं प्राची ठाकुर ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन विद्यालय के शिक्षक अभिषेक नागर ने किया। विजेता विद्यार्थियों को आयोजित कार्यक्रम में शाजापुर विधायक अरुण भीमावद द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर, योगेश भावसार, दीपक शर्मा एवं आयोजक विद्यालय सान्दीपनि विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी आदि उपस्थित थे। संचालन सुनील विश्वकर्मा ने किया। इस उपलब्धि के साथ विजेता विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश शासन की ओर से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के भ्रमण का अवसर भी प्राप्त होगा। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. सौदमिनी झाला ने विजेता विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत विदिशा में निकली भव्य तिरंगा रैली, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को विदिशा जिला मुख्यालय पर भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों, स्कूली विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का संदेश दिया।

तिरंगा रैली का शुभारंभ खेल स्टेडियम से हुआ। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नीमताल पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर सहभागिता की तथा भारत माता और राष्ट्रध्वज के सम्मान में नारे लगाए।

रैली के समापन स्थल पर विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति नागरिकों की एकजुटता, राष्ट्रभक्ति और गौरव की अभिव्यक्ति है। राष्ट्रीय ध्वज हमारे स्वतंत्रता संग्राम, देश के गौरव और राष्ट्र की एकता का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

रैली में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल हुए।

हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से जिले में नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना से जोड़ने के साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर तक तिरंगे की पहुंच सुनिश्चित करने का संदेश दिया जा रहा है। तिरंगा रैली ने शहरवासियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

फसलों पर संकट के बादल, येलो मोजेक से पीली पड़ने लगी पत्तियां

गत वर्ष के बाद इस बार भी ठीक नहीं फसलों की सेहत

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश की लंबी खेंच अब मुसीबत बनती जा रही है। जिलेभर के जलस्त्रोत सूखने लगे हैं तो खेतों में खड़ी फसलें भी दम तोड़ती नजर आ रही है। लेकिन जुलाई के बाद अगस्त माह भी आधा सूख बीत चुका है और बारिश अब तक नहीं हुई है। हालांकि मौसम विभाग द्वारा सोमवार से बारिश की संभावना जताई जा रही है।

किसानों को बोवनी के बाद से ही बाारिश का इंतजार है जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। इधर फसलें अब 50 दिन की अवधि पूर्ण कर चुकी है। जिन पर अब येलो मोजेक वायरस का खतरा मंडरा रहा है। कई खेतों में सोयाबीन की पत्तियां पीली पड़ने के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। कुछ स्थानों पर जड़ सड़न की समस्या भी सामने आई है। फिलहाल फसल फूल आने की अवस्था में है, ऐसे में बीमारी का प्रकोप बढ़ने से किसानों की चिंता बढ़ गई है कि कहीं दोबारा बोवनी की नौबत न आ जाए जो अब न तो संभव है ओर न ही आसान।

गत वर्ष भी घटा था उत्पादन, इस वर्ष भी वही हालात किसानों की माने तो यदि समय रहते बीमारी पर नियंत्रण नहीं किया गया तो पौधों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है। इससे फूल और फलियों की संख्या कम होने की आशंका है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ सकता है। पिछले साल भी जिले में येलो मोजेक समेत अन्य समस्याओं के कारण प्रति बीघा उत्पादन 1 से 1.2 क्विंटल तक सिमट गया था। अब किसान बारिश की बाट जोह रहे हैं कि जल्द से जल्द बारिश हो और उन्हें समस्या से राहत मिले।

विशेषज्ञों ने निगरानी की दी सलाह- कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को फिलहाल खेतों में फसल की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। साथ ही रोगग्रस्त पौधों और सफेद मक्खी की स्थिति की जानकारी कृषि विभाग को देने तथा विभाग द्वारा अनुशंसित नियंत्रण उपाय अपनाने को कहा है। जुलाई में जिले में कम बारिश और अगस्त की शुरुआत में भी पर्याप्त वर्षा नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ी हुई है। ऐसे में फसल में बीमारी के लक्षण सामने आने से किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

हनुमानगढ़ी में गूंजा हरियाली का संकल्प, 2100 पौधों के रोपण का लक्ष्य

वृक्षारोपण महाअभियान में जनप्रतिनिधि, संत, ग्रामीण और पर्यावरण प्रेमी हुए शामिल; 11 हजार पौधे लगाने का भी लिया संकल्प

बड़ावद/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल हनुमानगढ़ी में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण महाअभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने पौधरोपण कर क्षेत्र को हराभरा बनाने का संकल्प लिया। अभियान के तहत 2100 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत, जिला पंचायत अध्यक्ष शंभूसिंह, दयाराम धाकड़, हेमराज हाड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दादू, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र काकाणी , समरथ पाटीदाररा‌जेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

11 हजार पौधों का संकल्प- कार्यक्रम के दौरान राजू भैया द्वारा क्षेत्र के विकास एवं हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 11 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि लगातार पेड़ों की कटाई और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण संतुलन प्रभावित हो रहा है। बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के बीच वृक्षारोपण अब केवल अभियान नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन गया है।

वक्ताओं ने कहा कि पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। हनुमानगढ़ी क्षेत्र को इस प्रकार विकसित करने की आवश्यकता है कि यह धार्मिक स्थल के साथ-साथ प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण का भी उदाहरण बने।

सुल्तान सिंह शेखावत ने याद किया अमृता देवी का बलिदान- पूर्व कैबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अमृता देवी बिश्नोई और खेजड़ली बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि वृक्षों की रक्षा के लिए दिया गया बलिदान आज भी समाज को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ रहा है और इससे कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रह सकता।

उन्होंने कहा कि अमृता देवी बलिदान दिवस पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणा देने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने हनुमानगढ़ी में चल रहे पौधरोपण अभियान की सराहना करते हुए इसे आगे भी जारी रखने की बात कही।

विधायक बोले- हनुमानगढ़ी को पर्यटन और प्रकृति का केंद्र बनाएं- आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने कहा कि हनुमानगढ़ी क्षेत्र को सुंदर और विकसित बनाने के प्रयास पिछले तीन वर्षों से जारी हैं। अब इन प्रयासों को और गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने संतों के मार्गदर्शन और पर्यावरण प्रेमियों के प्रयासों की सराहना की।

विधायक ने कहा कि हनुमानगढ़ी के आसपास बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाए और क्षेत्र को विकसित कर ऐसा स्वरूप दिया जाए, जहां धार्मिक आस्था के साथ लोग प्राकृतिक वातावरण का भी आनंद ले सकें। उन्होंने पौधरोपण के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात भी कही।

कार्यक्रम में संतों के आशीर्वचन के साथ उपस्थित लोगों ने पौधरोपण किया। आयोजकों ने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण मिल सके।

आओ मिलकर पौधे लगाएं, हनुमानगढ़ी को सुंदर सजाएं के संदेश के साथ आयोजित अभियान ने क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सेवा ही संकल्पः सेवा समिति ने 10 से अधिक धार्मिक व सामाजिक स्थलों पर किया 100 से अधिक पौधों का रोपण

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन बनाना तो हर कोई जानता है, लेकिन धरातल पर उतरकर समाजहित में निरंतर कार्य करने वाले सामाजिक एवं धार्मिक संगठन बहुत कम देखने को मिलते हैं। इसी सोच के साथ शाजापुर जिले के ग्राम मदाना में सामाजिक एवं युवा कार्यकर्ताओं द्वारा संकल्प सेवा समिति का गठन किया गया है। समिति का मुख्य उद्देश्य सेवा ही संकल्प की भावना के साथ समाजसेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा गांव में आपसी एकता और भाईचारा बनाए रखना है।

इसी उद्देश्य को लेकर समिति द्वारा रविवार को ग्राम मदाना के विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक स्थलों पर 100 से अधिक फलदार पौधों का रोपण किया गया। समिति द्वारा सती माता स्मारक, बाबा रामदेवजी मंदिर परिसर, छोटी पाथी हनुमान मंदिर परिसर, ग्राम के दोनों मुक्तिधाम केंद्र, सरस्वती शिशु मंदिर, शहीद महेश फौजी हाई सेकेंडरी स्कूल परिसर सहित करीब 10 से अधिक स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

समिति के सदस्यों ने केवल पौधे लगाने तक ही सीमित न रहते हुए उनकी देखभाल का भी संकल्प लिया। पौधों में नियमित रूप से पानी डालने, उनकी परवरिश करने तथा पौधों को सुरक्षित रखने के लिए आसपास जाली लगाने का कार्य भी किया गया।

सेवा कार्यों में आगे रहने का संकल्प- समिति के सदस्य ने बताया कि हमारी समिति का उद्देश्य ही सेवा ही संकल्प है। समिति द्वारा स्वच्छता अभियान, रक्तदान, जनहित के कार्यों सहित समाजसेवा के प्रत्येक क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़कर कार्य करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि समिति द्वारा गांव में प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को सुंदरकांड पाठ, जरूरतमंद लोगों को समय-समय पर सहयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा रक्तदान महादान जैसे सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। समिति का उद्देश्य है कि ग्राम मदाना और आसपास का पूरा क्षेत्र पर्यावरण एवं समाजसेवा के क्षेत्र में एक मिसाल बने।

पौधारोपण कार्यक्रम में ये रहे मौजूद- इस अवसर पर जितेंद्र सिंह फौजी, महेंद्र सिंह रघुवंशी, डॉ. महेंद्र सिंह यादव, गोविंद सिंह राजपूत, गोविंद सिंह मेवाड़ा, पंकज परिहार, अंकित वाघेला, अंकित पड़िहार, अनिल मेवाड़ा, हरिओम भाटी,संदीप परिहार, हरिओम मिश्रा, दशरथ सिंह मालवीय, लोकेंद्र सिंह, राजपाल मेवाड़ा,गजेंद्र सिंह सहित संकल्प सेवा समिति के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संकल्प सेवा समिति ग्राम मदाना का संदेश स्पष्ट है– सेवा ही संकल्प, पर्यावरण संरक्षण ही जिम्मेदारी और समाजहित ही हमारा उद्देश्य।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत को सन 2027 के अंत तक टीबी मुक्त बनाने संकल्प

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत भारत को सन 2027 के अंत तक टीबी मुक्त बनाने हेतु प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है।

शासन की मंशा अनुसार,इस अभियान में सामान्य जनता की जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर जिले के प्रत्येक विकास खंड स्तर पर खण्ड स्तरीय दल का गठन किया जाएगा।

इस दल के प्रमुख प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारी, समन्वयक खण्ड चिकित्सा अधिकारी और सदस्य पांच राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट और पांच माय भारत वॉलंटियर रहेंगे।

ऐसे ही दल का गठन आज देपालपुर विकासखण्ड में किया गया, दल प्रमुख डॉ पी एन देवले, दल समन्वयक डॉ विभा नागर खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर और दल के दस सदस्य शासकीय भगीरथ सिलावट महाविद्यालय देपालपुर के एन सी सी/एन एस एस के छात्र छात्राओं ने जनभागीदारी में सहायता कर देपालपुर विकासखण्ड से क्षय रोग को समाप्त करने हेतु अभियान में सहयोग करने की सहमति दी।

इस दल के गठन के अवसर पर शासकीय भगीरथ सिलावट महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मंगेश पंवार सर, एन एस एस प्रभारी डॉ कमला मैडम , प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान ग्रामीण के नोडल अधिकारी डॉ दिलीप शर्मा , देपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खण्ड प्रबंधक श्री दिनेश पाटीदार सर उपस्थित रहे उन्होंने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इंदौर जिले के जिला क्षय अधिकारी डॉ शैलेन्द्र जैन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ माधव हासानी सर ने संयुक्त वार्ता में यह जानकारी दी।

कामिका एकादशी पर निकली द्वितीय मातृशक्ति कांवड़ यात्रा, बाबा बैजनाथ महादेव को लगाया 51 किलो खिचड़ी का महाभोग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पवित्र कामिका एकादशी के अवसर पर रविवार को द्वितीय मातृशक्ति कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा सुबह 9 बजे रुद्रेश्वर महादेव मंदिर, बोराली से प्रारंभ हुई और घटगारा, पिटगारा एवं महाराणा प्रताप चौक (चौपाटी) होते हुए श्री बैजनाथ महादेव मंदिर, बदनावर पहुंची। यात्रा में बोराली, बुकड़ावदा, खेड़ी सहित आसपास के गांवों की मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए।

कांवड़ यात्रियों ने श्री कृष्णा कामधेनु गौशाला से पवित्र जल भरकर यात्रा प्रारंभ की। पूरे यात्रा मार्ग में ÷हर-हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बदनावर पहुंचने पर कांवड़ यात्रियों ने बाबा बैजनाथ महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। वहीं बोराली स्थित रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया।

बाबा बैजनाथ को 51 किलो खिचड़ी का महाभोग- कांवड़ यात्रा के समापन अवसर पर श्री बैजनाथ महादेव को 51 किलो खिचड़ी का विशेष महाभोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

आयोजक एवं कांवड़ संयोजक अनुप जायसवाल ने बताया कि बाबा बैजनाथ महादेव को जल अर्पित करने के उद्देश्य से मातृशक्ति एवं शिवभक्तों द्वारा श्रद्धापूर्वक कांवड़ यात्रा निकाली गई। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

जगह-जगह हुआ कांवड़ यात्रियों का स्वागत- कांवड़ यात्रा का बोराली, घटगारा, पिटगारा एवं महाराणा प्रताप चौक पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। घटगारा में ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष पोपसिंह राठौर, दिलीप सिंह राठौर एवं जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के धार जिला अध्यक्ष संतोष जायसवाल ने कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं कांवड़ संयोजक अनुप जायसवाल का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर श्री कृष्ण गौशाला अध्यक्ष जसवंत सिंह पटेल, विष्णुलाल जायसवाल, करण चौधरी, राजेश पाल, महेश भाटी, ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष बद्रीलाल जाट, स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, संस्था सृजन अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान, प्रवीण चांवला, विनय पाटीदार, धीरेन्द्र सिंह पंवार, सिद्धार्थ व्होरा, सचित बाहेती, हिन्दू महासभा के जिला अध्यक्ष कुशाल शर्मा, नारायण चौधरी, कमल सिंह राठौर, गोवर्धन धबाई, बंटू सिंह चौहान सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्रद्धा, भक्ति और जयघोष के बीच निकली द्वितीय मातृशक्ति कांवड़ यात्रा ने क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया।

कावड़ यात्रा का श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया श्रावण मास के चलते श्रद्धालु बाबा महाकाल की भक्ति में लिन है रविवार को ग्राम फूलेन वासियो एवं समाजसेवी राहुल मंडलोई के नेतृत्व में कावड़ यात्रा निकाली गई सुबह 10ः00 बजे कावड़ यात्रा ग्राम फुलेन से प्रारंभ हुई शिव भजनों हर हर महादेव के जयकारों के साथ बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला श्रद्धालु भक्ति में सरोवर होकर झुमते हुए बालाजी धाम बोलाई के लिए रवाना हुए यात्रा जिन मार्गो से निकली सड़के फूलों से पट गई जगह-जगह नगर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया यात्रा के शिवाजी मार्केट पहुंचने पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत के नेतृत्व में स्टांल लगाकर केले की प्रसादी का वितरण कर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा गोलू गुप्ता संतोष शर्मा नाना दिनेश जैन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बदनावर नगर में प्रथम बाल गोपाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बदनावर नगर में प्रथम बाल गोपाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में बाल कांवड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता भागवत आचार्य रमेशचंद्र अग्निहोत्री ने बाल कांवड़ियों को संबोधित करते हुए संस्कार, धर्म और राष्ट्रप्रेम का महत्व बताया। बचपन में बच्चों को जिस प्रकार के संस्कार दिए जाते हैं, बड़े होकर उनका व्यवहार और व्यक्तित्व उसी के अनुरूप बनता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही धार्मिक परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना आवश्यक है। आज बच्चे कांवड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान शिव को जल अर्पित करने का महत्व समझेंगे तो भविष्य में यही बच्चे धर्म की ध्वजा को आगे बढ़ाने और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे मकान की नींव के समान होते हैं। यदि नींव मजबूत हो तो मकान कई मंजिल तक मजबूती से खड़ा रहता है। अग्निहोत्री ने बच्चों से कहा कि वे माता-पिता की सेवा करें, राष्ट्र से प्रेम करें और धर्म की रक्षा के लिए सदैव आगे रहें। साथ ही सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

नन्हे-मुन्ने बच्चे हाथों में कांवड़ और उसमें पवित्र जल लेकर कदमताल करते हुए नगर की सड़कों पर निकले तो उन्हें देखने के लिए लोग ठहर गए। बच्चों की भक्ति और उत्साह देखकर हर कोई आनंदित नजर आया। कंधों पर कांवड़ उठाए बच्चे 'हर-हर महादेव' के जयघोष लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा में बैंड-बाजे और ढोल की धुन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। नगर में जगह-जगह लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कांवड़ यात्रा की शुरुआत गणेश व्यायामशाला स्थित भगवान गजानंद गणपति एवं भोलेनाथ के पूजन के साथ हुई। इसके बाद यात्रा दुर्गा चौक, अंबेडकर चौराहा और बस स्टैंड होते हुए बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंची। यहां बाल कांवड़ियों ने बाबा बैजनाथ महादेव का पूजन, जलाभिषेक एवं आरती की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद कांवड़ यात्रा का समापन हुआ। बाल कांवड़ियों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। धार्मिक जयघोष के साथ निकली यात्रा ने नगर में भक्तिमय वातावरण बना दिया।

डॉ.भगवती प्रसाद जोशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत हुवे

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल औदीच्य ब्राह्मण महासभा संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश जी पटेल की अनुशंसा पर सामाजिक, सांस्कृतिक, संगठनात्मक योगदान एवं समाज सेवा के प्रति समर्पण को दृष्टिगत रखते हुए डॉ.भगवतीप्रसाद जोशी जी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। इंदौर बीएम कॉलेज में आयोजित सामाजिक समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष ओर समाज के अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा श्री जोशी का अभिनंदन कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। तथा जगदीश उपाध्याय बैजनाथ को प्रदेश उपाध्यक्ष, अमृत रावल कढ़ाई को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया तथा अन्य पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान किए । इस अवसर पर मनीष पटेल, योगेश पटेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेश पटेल, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भगवान शर्मा लिंबोदा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अभिलेश ठक्कर, चंदरसिंह पंड्या, नागेश्वर उपाध्याय, नारायण सिंह पाठक, सुभाष शर्मा, अंतरसिंह पंड्या, राम जी शर्मा,बलराम जी मेहता, मुकेश उपाध्याय कांकरिया एवं बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रद्धेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साहब के द्वारा हर जन मानस को प्रेरित किया...

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रद्धेय श्री प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी साहब के द्वारा हर जन मानस को प्रेरित किया गया है कि स्वच्छ भारत ,स्वच्छ पर्यावरण ,के तहत एक पेड़ मां के नाम का जो स्लोगन दिया गया उसी के परिपेक्ष में श्री मेवाडा माली समाज ,श्री देव धर्मराज, नाग मंदिर भीमाखेड़ा धर्मशाला में सकल मेवाड़ा माली समाज द्वारा 251 पौधे क्रिस्टीलिया फायकश के जो कि पर्यावरण में हर जनमानस हर जीवजंतु के लिए प्राणवायु प्रदान करेगा,ऐसे बहुत ही सुंदर दिखने वाले पौधे रोपित कर वृक्षारोपण किया गया ,श्री मेवाडा माली समाज श्री देवधर्म राज नाग मंदिर समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा अध्यक्ष, लालसिंह गुदिया, कन्हैया पहलवान, अंबाराम पड़ोलिया मेवाड़ा माली समाज तहसील अध्यक्ष कालूराम मैकाले ,मदनलाल पड़ोलिया,पीराचंद पटेल राधेश्याम जी मुनीम कन्हैयालाल बल्डीया, गोवर्धन पटेल रामकिशन खेड़ीवाले मूलचंद मंडावरा सत्यनारायण मुवाला, श्री देव धर्मराज नाग मंदिर के पुजारी श्री ओमप्रकाश जी जोशी आदि,यह जानकारी मेवाड़ा माली समाज तहसील अध्यक्ष कालूराम मैकाले ने दी।

आदिवासी वेशभूषा, तीर-कमान और लोकनृत्य से सजा नीमच

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को नीमच में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। सर्व आदिवासी समाज की ओर से शबरी आश्रम से विशाल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां और समाजजन पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा, हाथों में प्रतीकात्मक तीर-कमान और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ शामिल हुए।लोकगीतों और आदिवासी लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने रैली को विशेष आकर्षण दिया। 'जय जोहार' और 'जय जोहार का नारा है, भारत देश हमारा है' जैसे नारों से शहर का वातावरण गूंज उठा। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुरानी कृषि उपज मंडी पहुंची, जहां आमसभा, समाजजनों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित विभिन्न गतिविधियों के साथ आयोजन का समापन हुआ।

पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए समाजजन- विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली।रैली में युवक-युवतियां एवं समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में सजे नजर आए। कई युवाओं के हाथों में प्रतीकात्मक तीर-कमान थे, वहीं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर समाजजन कदमताल करते हुए आगे बढ़े। महिलाओं और युवतियों ने भी पारंपरिक परिधान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

लोकनृत्य और संगीत ने बांधा समां - रैली के दौरान आदिवासी लोकगीतों और पारंपरिक संगीत की धुनों पर समाजजनों ने लोकनृत्य की प्रस्तुतियां दीं। नृत्य और संगीत के माध्यम से आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को प्रदर्शित किया गया। रैली जिस मार्ग से गुजरी, वहां लोगों ने आदिवासी संस्कृति के इस रंगारंग स्वरूप को उत्सुकता से देखा।

रैली की शुरुआत शबरी आश्रम से हुई। यहां से सर्व आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित होकर रैली के रूप में रवाना हुए। रैली शोरूम चौराहा, फव्वारा चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर आगे बढ़ी। पूरे मार्ग में समाजजनों द्वारा जय जोहार के नारे लगाए गए। रैली में युवाओं की बड़ी भागीदारी रही।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा बदनावर, नागेश्वर से जल भरकर केदारेश्वर महादेव का अभिषेक किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास की पावन एकादशी के अवसर पर रविवार को बदनावर में भव्य केदारेश्वर महादेव कावड़ यात्रा निकाली गई। हाथों में पवित्र जल से भरी कावड़ और जुबां पर हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ के जयकारों के साथ हजारों श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और शिव भजनों के बीच निकली यात्रा से पूरा नगर शिवमय नजर आया।

यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रख्यात कथावाचक रमेशचंद अग्निहोत्री एवं धर्मेंद्र अग्निहोत्री अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने विधि-विधान से मां गंगा का पूजन एवं आरती की।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत, बरसे फूल- कावड़ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर व्यवसायियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने स्वागत मंच लगाए। कावड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया तथा शर्बत, अल्पाहार और फलाहार का वितरण किया गया।

प्रतिष्ठित व्यवसायी अरुण माथुर, समाजसेवी मनीष बोकड़िया एवं उनके साथियों तथा पार्षद चेतन नागल सहित अनेक लोगों ने कावड़ियों का स्वागत किया। मार्ग में जगह-जगह उमड़े श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों के साथ कावड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

केसरिया रंग में रंगा नजर आया नगर- कंधों पर कावड़ उठाए श्रद्धालुओं की कतार और बड़ी संख्या में लहराते भगवा ध्वजों से बदनावर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। ढोल-नगाड़ों की थाप और शिव भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। यात्रा में युवाओं के साथ महिला श्रद्धालुओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केदारेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक- कावड़ यात्रा का समापन केदारेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर हुआ। यहां कावड़ियों ने पवित्र जल से भगवान केदारेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन के बाद महाआरती हुई। अंत में श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया।

आयोजन समिति ने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पुलिस-प्रशासन एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

उज्जैन में साढ़े 5 लाख घरेलू गैस कनेक्शन, 2 लाख उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी बाकी

16 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराई तो कमर्शियल दर पर मिलेगा घरेलू गैस सिलेंडर- अभी 1001 में मिलने वाला सिलेंडर 2909 तक पड़ सकता है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना अब जरूरी हो गया है। उज्जैन जिले में करीब 5 लाख 50 हजार घरेलू गैस कनेक्शन हैं। इनमें से लगभग 3.50 लाख उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली है, जबकि करीब 2 लाख उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी बाकी है। केंद्र सरकार ने एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराने की अंतिम तारीख 16 अगस्त तय की है।

तेल कंपनियों के अधिकारियों के अनुसार ई-केवाईसी का मुख्य उद्देश्य गैस कनेक्शन के वास्तविक उपभोक्ताओं का सत्यापन करना और फर्जी अथवा डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगाना है। इसके लिए गैस एजेंसियों की ओर से उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द ई-केवाईसी पूरी कराने की अपील की जा रही है।

ई-केवाईसी नहीं हुई तो घरेलू दर का लाभ नहीं- नई व्यवस्था के तहत निर्धारित समय तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को घरेलू श्रेणी में मिलने वाली रियायती दर का लाभ नहीं मिल सकेगा। ऐसे उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर व्यावसायिक दर के अनुसार खरीदना पड़ सकता है। यही वजह है कि गैस एजेंसियां अपने लंबित उपभोक्ताओं से लगातार संपर्क कर रही हैं।उपभोक्ताओं को सिलेंडर की डिलीवरी के दौरान भी ई-केवाईसी कराने की जानकारी दी जा रही है। एजेंसी संचालकों द्वारा फोन पर संपर्क करने के साथ ही डिलीवरी के समय भी उपभोक्ताओं को प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा जा रहा है।

अभी ?1001, बाद में करीब ?2909 तक खर्च- वर्तमान में 14.2 किलो का घरेलू गैस सिलेंडर करीब ?1001 में मिल रहा है। ई-केवाईसी निर्धारित समय तक नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को आगे चलकर घरेलू दर के बजाय कमर्शियल दर का भुगतान करना पड़ सकता है। ऐसे में सिलेंडर की कीमत करीब 2909 तक पहुंच सकती है। इससे उपभोक्ताओं पर करीब ?1900 अतिरिक्त का भार पड़ सकता है।

फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शन की होगी पहचान- गैस एजेंसी संचालकों के अनुसार ई-केवाईसी की व्यवस्था का उद्देश्य सिर्फ उपभोक्ताओं का सत्यापन करना नहीं, बल्कि एक ही व्यक्ति के नाम पर चल रहे एक से अधिक या फर्जी कनेक्शनों की पहचान करना भी है। आधार सत्यापन के माध्यम से प्रत्येक उपभोक्ता की पहचान सुनिश्चित होगी। इससे डुप्लीकेट कनेक्शनों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने में मदद मिलेगी।

एजेंसी संचालकों का अनुमान है कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 5 से 10 प्रतिशत तक कनेक्शन कम हो सकते हैं। इससे घरेलू गैस योजना का लाभ वास्तविक और जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

2 लाख उपभोक्ताओं के पास अब कुछ ही दिन- उज्जैन जिले में करीब 2 लाख उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी बाकी है। 16 अगस्त की अंतिम तारीख नजदीक होने के कारण अब इन उपभोक्ताओं के पास प्रक्रिया पूरी कराने के लिए सीमित समय बचा है। गैस एजेंसियां लंबित उपभोक्ताओं से जल्द ई-केवाईसी कराने की अपील कर रही हैं, ताकि उन्हें भविष्य में घरेलू गैस की रियायती दर का लाभ लेने में परेशानी न हो।

शिव भक्ति में डूबा नीमच, लखेरा समाज की कावड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किलेश्वर महादेव मंदिर से निकली भव्य कावड़ यात्रा, ढोल-ताशों और शिव भजनों पर झूमे श्रद्धालु; लाखेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

नीमच। (सतीश सैन)सावन के पावन अवसर पर रविवार को नीमच शहर शिव भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। लखेरा समाज ट्रस्ट नीमच के तत्वावधान में आयोजित भव्य कावड़ यात्रा में समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। सीआरपीएफ परिसर स्थित ऐतिहासिक किलेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हुई यात्रा में पूरे मार्ग पर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। ढोल-ताशों और बैंड की धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए आगे बढ़े। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा, स्वागत, पेयजल और प्रसादी की व्यवस्थाओं ने यात्रा के उत्साह को और बढ़ा दिया।

पूजन-अर्चन के बाद भरी कावड़ में पवित्र जल- कावड़ यात्रा का शुभारंभ किलेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन के साथ हुआ। सुबह से ही समाजजन मंदिर परिसर में जुटने लगे थे। भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कावड़ यात्रियों ने अपनी-अपनी कावड़ में पवित्र जल भरा। पूजन संपन्न होते ही ढोल-ताशों और बैंड की धुनों के बीच कावड़ यात्रा रवाना हुई।

शिव-पार्वती का स्वरूप रहा आकर्षण का केंद्र- यात्रा में भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप में शामिल कलाकार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। शिव भजनों पर उनकी प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा। महिलाएं और पुरुष आकर्षक ढंग से सजाई गई कावड़ लेकर कतारबद्ध होकर यात्रा में शामिल हुए। युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते हुए भगवान शिव के जयकारे लगाते रहे।

रात 1:30 बजे इंदौर उज्जैन रोड पर हादसे में युवक की मौत

महाकाल दर्शन करने पांच दोस्त आ रहे थे उज्जैन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन करने आ रहे युवक की रात 1ः30 बजे बाइक अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में युवक की मौत हो गई बाइक पर बैठा साथी घायल हुआ है। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस में मृतक युवक का पोस्टमार्टम कराया।

नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि इंदौर उज्जैन मार्ग निनोरा टोल के पास रात 1ः30 बजे डिवाइडर से बाइक टकराने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचती उससे पहले बाइक पर सवार दो घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। कुछ देर बाद अस्पताल से सूचना मिली कि सड़क हादसे में घायल सुनील पिता शोभाराम सिसोदिया निवासी डबलई मनावर थाना धरमपुरी की मौत हो गई है दूसरा सुनील पिता लक्ष्मण डाबर घायल है। पुलिस अस्पताल पहुंची तो सामने आया कि मृतक और घायल एक बाइक पर सवार थे वह अपने दो बाइक पर सवार तीन साथी धनराज, रवि और आयुष के साथ महाकाल दर्शन करने के लिए उज्जैन आ रहे थे। बाइक पर सवार उनके तीन साथी पीछे चल रहे थे। रात में ही पुलिस ने मृतक और घायल के परिजनों को सूचना दी। रविवार सुबह परिजनों के पहुंचने पर सामने आया कि मृतक टाइल्स फैक्ट्री में काम करता था घायल के परिजनों ने बताया कि खेती किसानी का काम करता है। सभी दोस्त सावन माह होने पर महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन जाने का बोलकर रात 8 के लगभग निकले थे। नानाखेड़ा पुलिस के अनुसार फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद जो परिजनों को सौंपा गया है।

महिदपुर में रात 8 बजे हुआ हादसा- महिदपुर तहसील में शनिवार रात 8 बजे सड़क हादसा हुआ। घटनाक्रम में एक युवक की मौत हो गई दो अन्य घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि तहसील के पांच बंगला क्षेत्र में गैरेज में खड़ी बस को चालक निकल रहा था जिसका संतुलन बिगड़ गया और उसने सड़क किनारे खड़ी एक ऑटो को टक्कर मारी और कुछ दूरी पर खड़ी बाइक में बस लेकर घुस गया। हादसे में ऑटो के पास खड़ा साजिद पिता जब्बार, निवासी दिलदारपुरा और बाइक के पास खड़े अर्जुन राजपूत और विकास प्रजापति घायल हो गए। तीनों घायलों को तत्काल शासकीय चिकित्सालय महिदपुर पहुंचाया गया। साजिद की हालत गंभीर होने पर उज्जैन रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं अर्जुन और विकास का उपचार जारी है। मृतक का शव रात में ही परिजन उज्जैन से महिदपुर लेकर आ गए थे रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर मामले की जांच शुरू की है।

बूंद-बूंद से सिंचाई, हर दिन कमाई, मल्चिंग और ड्रिप से नलखेड़ा के किसान बाबूलाल यादव की प्रतिदिन 40 हजार की आय

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से ग्राम बड़ागांव, विकासखण्ड नलखेड़ा के प्रगतिशील किसान श्री बाबूलाल यादव ने आधुनिक खेती अपनाकर सफलता की नई मिसाल कायम की है।

श्री यादव ने अपने 2 हैक्टेयर खेत में खीरा, करेला एवं गेंदा की खेती मल्चिंग विथ ड्रिप इरीगेशन तकनीक से की है। करेले की लहलहाती बेलें और स्वस्थ फसल इस तकनीक की सफलता का प्रमाण हैं।

इस वैज्ञानिक पद्धति से पानी, श्रम और उर्वरक की बचत के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मल्चिंग से खरपतवार नियंत्रण और नमी संरक्षण हुआ, वहीं ड्रिप से पौधों को समय पर पानी मिला।

किसान श्री यादव के अनुसार प्रतिदिन उनके खेत से लगभग 10 क्विंटल सब्जियां मंडी में विक्रय के लिए जाती है। इससे उन्हें प्रतिदिन लगभग 40 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। गेंदा की फसल से अतिरिक्त आय भी हो रही है।

श्री बाबूलाल की यह सफलता क्षेत्र के किसानों को भी प्रेरित कर रही है। अब अन्य किसान भी उद्यानिकी विभाग से संपर्क कर फूलों एवं सब्जियों की मल्चिंग खेती अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

MPPSC असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित अन्वेशा पटेल को युवराज मकवाना ने दी बधाई

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय कलोता समाज और ग्राम पिपलोदा की अन्वेशा पटेल ने MPPSC असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होकर समाज, ग्राम और परिवार का नाम रोशन किया है। बहन अन्वेशा की इस यात्रा में उनका संघर्ष भी अनमोल है। जिस गाँव में गिनी चुनी बालिकायें कॉलेज में पढ़ी होंगी, वहां की बेटी अब कॉलेज में पढ़ाएंगी। 9 साल पहले देपालपुर से हायर सेकेंडरी करने के बाद उनको उच्च शिक्षा के लिए इंदौर जाना पड़ा। उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद कोविड के कारण एक साल रुक कर DAVV से मास्टर ऑफ इकोनॉमिक्स की रेगुलर पढ़ाई शुरू की और MPPSC में भी अपनी किस्मत आजमाते रही। और आखिरकार बहन अन्वेशा ने उस मुकाम को हासिल कर लियाँ। इस उपलब्धि पर गांव सगदौड़ के युवराज जीवन सिह मकवाना ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी।

बेकाबू बस ने तीन वाहनों को रौंदा: ऑटो चालक जाहिद खान की मौके पर ही मौत, तीन घायल

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर में गत रात्रि क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहाँ एक अनियंत्रित राजश्री बस ने तीन अलग-अलग वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बस को ज़ब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।?प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब राजश्री बस सुधरने के बाद गैरेज से नीचे उतर रही थी। ढलान पर आते ही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और चालक का उस पर से संतुलन बिगड़ गया। बेकाबू बस ने मार्ग पर मौजूद एक ऑटो, एक इको कार और एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया।?टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि ऑटो के पास बैठे चालक जाहिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। वहीं इको कार में सवार दो युवक और मोटरसाइकिल पर बैठा एक युवक दुर्घटना में चोटिल हो गए। घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।पुलिस ने बस को किया ज़ब्त घटना के बाद आरोपी बस चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग ने बांधा श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग में, कथा पंडाल में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री शिवमहापुराण कथा के दौरान भगवान शिव एवं माता पार्वती के पावन विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन किया गया। जैसे ही कथा व्यास पीठ से भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती के विवाह का प्रसंग प्रारंभ हुआ, पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और जय माता पार्वती के जयघोष के साथ विवाह प्रसंग का आनंद लिया।

कथा वाचक पंडित महेश पाराशर जी शास्त्री ने शिव-पार्वती विवाह की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह केवल एक दैवीय विवाह नहीं, बल्कि शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक है। शिव के बिना शक्ति और शक्ति के बिना शिव अधूरे हैं। दोनों का मिलन संसार के कल्याण और सृष्टि के संतुलन का आधार है।

उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की। उनकी अटूट श्रद्धा, तप और समर्पण के कारण भगवान शिव प्रसन्न हुए। माता पार्वती की भक्ति यह संदेश देती है कि यदि मनुष्य के संकल्प में दृढ़ता, मन में श्रद्धा और हृदय में विश्वास हो तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है।

कथा के दौरान भगवान शिव की बारात का भी सुंदर एवं मनोहारी वर्णन किया गया। भगवान शिव जब अपनी अद्भुत बारात लेकर माता पार्वती के पिता हिमवान के घर पहुंचे तो बारात में देवताओं के साथ भूत-प्रेत, गण और विभिन्न रूपों में शिवगण शामिल थे। भगवान शिव के इस अनोखे स्वरूप को देखकर माता पार्वती के परिवार सहित नगरवासी आश्चर्यचकित रह गए। कथा वाचक ने भगवान शिव की बारात के माध्यम से बताया कि महादेव किसी के बाहरी रूप या सामाजिक स्थिति को नहीं देखते, बल्कि सच्ची श्रद्धा और भाव को स्वीकार करते हैं।

विवाह प्रसंग के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप का पूजन किया गया। कथा स्थल पर शिव-पार्वती विवाह का जीवंत वातावरण निर्मित हुआ। श्रद्धालुओं ने विवाह गीत एवं भजनों पर भाव-विभोर होकर सहभागिता की। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान शिव एवं माता पार्वती का अभिनंदन किया। पूरा पंडाल हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ और जय माता पार्वती के जयकारों से गूंज उठा।

पंडित महेश पाराशर जी शास्त्री ने कहा कि शिव-पार्वती विवाह गृहस्थ जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, विश्वास, त्याग, समर्पण और एक-दूसरे के प्रति सम्मान होना आवश्यक है। माता पार्वती की भगवान शिव के प्रति अटूट निष्ठा और भगवान शिव का माता पार्वती के प्रति सम्मान आदर्श दांपत्य जीवन की प्रेरणा देता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान शिव सरलता, त्याग और करुणा के प्रतीक हैं। वे अपने भक्तों के लिए सहज ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। इसलिए मनुष्य को दिखावे से दूर रहकर सच्चे मन से भगवान का स्मरण करना चाहिए। शिव भक्ति व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा, संयम और आत्मविश्वास का संचार करती है।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में भाव-विभोर नजर आए। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं माता पार्वती से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि, सद्भाव और मंगल की कामना की। आयोजन समिति एवं श्रद्धालुओं द्वारा कथा के दौरान की गई विशेष व्यवस्थाओं के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग ने दिया संदेश– जहां श्रद्धा, विश्वास और समर्पण होता है, वहां स्वयं महादेव कृपा बरसाते हैं।

स्टॉपडेम निर्माण में अनियमितता, ग्राम रोजगार सहायक शासकीय कार्यों से विरत

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले की ग्राम पंचायत घोंसुआताल में मनरेगा योजना से स्वीकृत स्टॉपडेम निर्माण में अनियमितता पाए जाने पर ग्राम रोजगार सहायक श्री सीताराम त्यागी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। जनपद पंचायत सिरोंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जांच कर 8 अगस्त को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जांच में पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में मनरेगा से 14.87 लाख रुपये की लागत से स्टॉपडेम स्वीकृत हुआ था।

सर्व ब्राह्मण समाज की नवीन कार्यकारिणी घोषित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सर्व ब्राह्मण समाज बड़नगर की नवीन कार्यकारिणी का गठन समाजजनों की सहमति से समाज के अध्यक्ष विराग मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यकारिणी में वरिष्ठ एवं सक्रिय समाजजनों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं।जिसमें संरक्षक– प्रेमचंद द्वितीय, श्याम सुन्दर पण्ड्या, कमलेश शुक्ला एवं संजय शर्मा स्वतंत्र ,परामर्शदाता - नितेश जोशी, रवि भट्ट एवं विनय शर्मा। कार्यकारी अध्यक्ष – प्रेमप्रकाश पण्ड्या,उपाध्यक्ष– विपीन दवे, अंकित दवे एवं दीपक आचार्य,महामंत्री –उदय अग्निहोत्री एवं भवानी शंकर जोशी,सचिव – श्री देवी प्रकाश शर्मा, जयप्रकाश त्रिवेदी एवं रामनिवास नव्हाल,सह सचिव – श्याम शर्मा मण्डी, पंकज जोशी एवं अमित जोशी,कोषाध्यक्ष – शिवप्रसाद शुक्ला,मीडिया प्रभारी – धर्मेन्द्र शर्मा,विधि सलाहकार – निलेश शर्मा,कार्यालय मंत्री – विकास आचार्य,ग्रामीण संयोजक – सुनील शर्मा सांची, वासुदेव जोशी एवं पंडित जगदीश शर्मा, विपिन दवे,अरविंद शुभम शर्मा नवगठित कार्यकारिणी समाज में एकता, सामाजिक समरसता, शिक्षा, संस्कार एवं समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सभी समाजजनों को साथ लेकर कार्य करेगी। पदाधिकारियों ने सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को गति देने, युवा पीढ़ी को समाज से जोड़ने तथा जरूरतमंद समाजजनों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया।

हरियाली अमावस्या को हिंगलाज माता का होगा हरी पोषख से श्रृंगार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में सावन माह की हरियाली अमावस्या 12 अगस्त बुधवार को हिंगलाज माता का हरी पोशाख पहनाकर विशेष श्रृंगार होगा साथ ही घेवर फेनी का भोग लगाकर महा आरती होगी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि पर्यावरण के अंतर्गत माता मंदिर के सामने एक पौधा मां के नाम लगाया जाएगा सावन मास में प्रतिदिन महिलाओ द्वारा भजनों से भगवान भोलेनाथ व माता की आराधना हो रही है। जानकारी पुजारी देवपुरी ने दी।

सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है - प्रभारी मंत्री श्री चौहान

प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने सुसनेर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का किया अनावरण

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र एवं प्रदेश सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया गया है। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। यह बात मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री एवं आगर-मालवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने रविवार को सुसनेर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

प्रभारी मंत्री श्री चौहान ने सुसनेर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर नगर परिषद द्वारा स्थापित एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नगर परिषद अध्यक्ष श्री प्रदीप सोनी ने प्रभारी मंत्री श्री चौहान का पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर श्री जयदीप पटेल, जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय, पूर्व विधायक श्री बद्रीलाल सोनी, श्री लालजी राम मालवीय, नगर पालिका आगर अध्यक्ष श्री नीलेश पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री श्री चौहान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन एवं विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और राष्ट्रहित को केंद्र में रखते हुए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। उनका 'अंत्योदय' का विचार आज भी शासन की जनकल्याणकारी नीतियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी भावना के साथ सरकार गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

प्रभारी मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सुसनेर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थापित होना क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का विषय है। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों, आदर्शों एवं राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरणा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सुसनेर एवं आगर-मालवा जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने पत्रकार चेतन राठौड़ के पिता को दी श्रद्धांजलि

बड़ावद/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्रकार चेतन राठौड़ के पूज्य पिताजी के निधन पर आलोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने उनके निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक मालवीय ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि में बड़ावदा प्रेस क्लब के सदस्य भी मौजूद रहे। प्रेस क्लब की ओर से मनोज जोशी, राजेश काकाणी, नीरज राठौड़, दिनेश पौराणिक, पीयूष लक्ष्यकार, प्रवीण व्यास, रविराज कुमावत एवं प्रदीप बाफना ने भी पत्रकार चेतन राठौड़ के परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत राष्ट्र गौरव तिरंगा यात्रा 11 अगस्त को

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर तिरंगा यात्रा का करेंगे प्रतिनिधित्व

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा जिला उज्जैन ग्रामीण के प्रत्येक मंडलो में भव्य तिरंगा यात्रा 10 अगस्त से 15 अगस्त तक निकाली जाएगी।उसी तारतम्य में जिले के महिदपुर ग्रामीण मंडल में राष्ट्र गौरव तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन 11 अगस्त 2026, मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे किया जाएगा। यात्रा का एकत्रीकरण एवं प्रारंभ कृषि उपज मंडी ग्राम घोंसला से होगा एवं समापन ग्राम खेड़ा खजुरिया में किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक यात्रा में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर,भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, सांसद अनिल फिरोजिया,युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री विप्लव जैन एवं प्रदेश उपाध्यक्ष तथा यात्रा प्रभारी अनिल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।साथ ही तिरंगा यात्रा में हर घर तिरंगा अभियान के जिला संयोजक व जिला महामंत्री राकेश यादव,सहसंयोजक महिपाल सिंह उमठ,निरंजन मेहता,गजेंद्र सिंह राजावत व महिदपुर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष किशोर शर्मा, यात्रा की मण्डल टोली के भगवान सिंह बगड़ावत, नरेंद्र पोरवाल एवं गोपाल पांडे व्यवस्था में रहेंगे।

जिला मीडिया प्रभारी गजेन्द्र परमार ने बताया कि जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों,कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस यात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाएं। श्री धाकड़ ने कहा कि तिरंगा हमारा स्वाभिमान है और हर घर तिरंगा अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 140 करोड़ देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि महिदपुर ग्रामीण की यह तिरंगा यात्रा पूरे जिले में देशभक्ति की अलख जगाएगी।

उन्होंने क्षेत्र की जनता से अनुरोध किया है कि वे जाति, धर्म एवं क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागी बनें। सभी से अपील है कि अपने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के गीतों एवं नारों के साथ इस महाअभियान को सफल बनाएं तथा अपने घर, दुकान एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा अवश्य लगाएं। यह यात्रा हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को स्मरण करने एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने की प्रेरणा देगी।

महिदपुर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष किशोर शर्मा ने मण्डल के सभी कार्यकर्ताओं व जनमानस से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में उपस्थित होने का आव्हान किया।

आज निकलेगी भगवान महाकाल की दूसरी सवारी

चांदी पालकी में चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर मनमहेश रूप में देंगे दर्शन- मार्ग पर लोकनृत्यों की रहेगी धूम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास में भगवान महाकाल की दूसरी सवारी आज शाही ठाठ-बाट के साथ निकलेगी। महाकाल मंदिर से निकलने वाली सवारी में श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के दो दिव्य स्वरूपों के दर्शन होंगे। चांदी की पालकी में भगवान चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर मनमहेश स्वरूप में सवार होकर भगवान महाकाल नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

सवारी में इस बार श्रद्धा और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। करीब पांच किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। सवारी के साथ-साथ विभिन्न लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। महाकाल मंदिर समिति ने इस बार सवारी के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भीड़ प्रबंधन और दर्शन व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया है। पिछली सवारी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण कई जगह व्यवस्थाएं प्रभावित हुई थीं। कुछ पुजारियों को भी चोट लगी थी, जिससे मंदिर समिति को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मंदिर समिति ने व्यवस्था सुधारने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और प्रशासन ने भी पिछली सवारी में सामने आई समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अलग से कार्ययोजना तैयार की है। पुलिस और प्रशासनिक अमला सवारी मार्ग पर तैनात रहेगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

दूसरी सवारी में शामिल होने वाले हाथी से श्रद्धालुओं को दूर रखने के लिए विशेष रूप से पुलिस लाइन में रेस्क्यू टीम का अभ्यास भी कराया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने, सवारी मार्ग पर सुचारु आवागमन बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाया जाएगा। श्रावण मास की दूसरी सवारी को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह है। भगवान महाकाल के दर्शन के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तों के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। सवारी मार्ग पर धार्मिक उत्साह के साथ सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा।

ट्रॉली बैग में छिपा रखा था 33 किलो डोडाचूरा

हरियाणा-राजस्थान की महिला और पुरुष गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में घट्टिया पुलिस ने बकानिया फंटे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पुरुष और महिला को गिरफ्तार किया है। दोनों बैग और ट्रॉली बैग में छिपाकर 33 किलो 550 ग्राम डोडाचूरा ले जा रहे थे। पुलिस ने बरामद डोडाचूरा की कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई है।

पुलिस के अनुसार शनिवार रविवार रात को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक पुरुष और महिला बकानिया फंटे स्थित यात्री प्रतीक्षालय में बैग लेकर खड़े हैं और किसी व्यक्ति को डोडाचूरा की डिलीवरी देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने दी। मौके पर एक पुरुष यात्री बैग और महिला ट्रॉली बैग लिए मिली। संदेह के आधार पर दोनों बैगों की तलाशी ली गई तो उनमें डोडाचूरा भरा मिला। वजन कराने पर कुल 33 किलो 550 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ को विधिवत जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों के नाम मोहम्मद नाजिम पिता कामिल (50) निवासी यमुना नगर, हरियाणा और ज्योति पति शंकर सिंह (46), निवासी भीमनगर, भवानी मंडी, झालावाड़, राजस्थान होना सामने आए। मामले में दोनों के खिलाफ धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि डोडाचूरा कहां से लाया गया था और इसकी डिलीवरी किसे दी जानी थी। दोनों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी करण खोवाल, उपनिरीक्षक प्रवेश जाटव, अलकेश डांगे, आरक्षक दीपक यादव, महिला आरक्षक हेमलता बैरागी, सैनिक जगदीश और मोहनदास बैरागी की भूमिका रही।

मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की बनी कार्ययोजना, वरिष्ठ पार्षदों का हुआ सम्मान

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी नगर जिला उज्जैन की मासिक बैठक आज लोकशक्ति भवन में नगर अध्यक्ष श्री संजय जी अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल जी जाटवा, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री ओम जी जैन, मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष श्री सौभाग्यसिंह जी एवं निगम सभापति श्रीमती कलावती जी यादव, उ वि प्र अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में नगर अध्यक्ष श्री संजय जी अग्रवाल ने आगामी संगठनात्मक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 10, 11 एवं 12 अगस्त को मंडल स्तर पर तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। 13 अगस्त को नगर स्तरीय तिरंगा यात्रा, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस तथा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर परंपरानुसार फव्वारा चौक पर झंडा वंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बैठक को सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया एवं निगम सभापति श्रीमती कलावती जी यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नवनियुक्त वरिष्ठ पार्षदों (एल्डरमैन) का सम्मान भी किया गया। साथ ही कार्तिक चौक मण्डल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष नवीन यादव का भी सम्मान किया गया ।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल जाटवा, जगदीश अग्रवाल, महामंत्री जगदीश पांचाल, राकेश पंड्या, ऋषि वर्मा , कल्याण शिवहरे, दिनेश जाटवा, प्रमिला यादव, सहित मंडल अध्यक्ष, पार्षद, नगर पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन नगर महामंत्री श्री कमलेश बैरवा ने किया तथा आभार नगर महामंत्री श्री आनन्दसिंह खींची ने व्यक्त किया।

उक्त जानकारी सह मीडिया प्रभारी श्री राजकुमार बंशीवाल ने दी।

दिनेश जाटवा- जिला मीडिया प्रभारी भाजपा

राजकुमार बंशीवाल- सह मीडिया प्रभारी, भाजपा उज्जैन नगर

रामघाट पर शिप्रा आरती को लेकर पंडे-पुजारियों ने किया प्रदर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रामघाट पर शिप्रा आरती के आयोजन अधिकार को लेकर महाकाल मंदिर प्रबंध समिति और तीर्थ पुरोहितों के बीच विवाद गहरा गया है। आरती पर एकाधिकार का दावा करते हुए सभी तीर्थ पुरोहितों, पंडों और पुजारियों ने एकजुट होकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तथा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर महाकाल प्रबंध समिति द्वारा की जा रही आरती पर रोक लगाने की मांग की है। पुजारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनके पारंपरिक अधिकार को छीनने का प्रयास बंद नहीं हुआ, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष उत्तम दुबे, भीखू भाई, मृणाल जोशी और शिवा मोटर वाला के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में पुजारियों ने स्पष्ट किया कि घाटों पर आरती का अधिकार अनादिकाल से ब्राह्मणों और तीर्थ पुरोहितों का रहा है। उनका आरोप है कि मंदिर प्रबंध समिति गुरुकुल में अध्ययनरत बटुकों से आरती करा रही है, जो शास्त्र सम्मत नहीं है क्योंकि बच्चे यहां विद्या अध्ययन के लिए आए हैं। शिव शंकर भट्ट ने मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से पुरोहितों का सम्मान करते हुए उनका पारंपरिक अधिकार उन्हें वापस सौंपने की मांग की है। हालांकि, पिछले 11 वर्षों से आरती करते आ रहे तीर्थ पुरोहित इसे खुद को बेदखल करने की साजिश मान रहे हैं। ज्ञापन सौंपने और विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से पुरुषोत्तम दुबे, मोहन त्रिवेदी, योगेश हाड़ा, अमर त्रिवेदी, राजेश शर्मा, शिव शंकर भट्ट, उत्तम दुबे, वीरेश शर्मा, जितेंद्र जोशी, कोमल दुबे, जय-विजय जोशी, मुकेश जोशी, परिवल शास्त्री, शिवम जोशी आदी।

बारिश में बढ़ रहे फंगल इन्फेक्शन के मरीज

चिकित्सक बोले अधिक सावधानी की जरूरत- कानों को पानी से बचाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी और उमस के चलते इन दोनों फंगल इन्फेक्शन के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका असर आरडीगार्डी मेडिकल कॉलेज और चेरिटेबल हॉस्पिटल की ओपीडी में देखने को मिल रहा है। यहां दिनों दिन लगभग 150 से अधिक मरीज फंगल इन्फेक्शन की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

आरडीगार्डी मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सक डॉ. सुधाकर वैद्य ने बताया कि हमारे यहां प्रतिदिन कई बीमारियों से ग्रसित मरीज उपचार के लिए आ रहे हैं। इनमें से लगभग 20 फीसदी मरीजों में फंगल इन्फेक्शन सामने आ रहे हैं। फंगल इन्फेक्शन वैसे तो आम बात है, लेकिन गर्मी और बारिश के दिनों में यह तेजी से बढ़ता है। फंगल इन्फेक्शन वैसे तो एड़ी, नाखून और पेट के पास होता है। लेकिन बारिश के चलते कपड़े गीले होने से यह शरीर के कई हिस्सों में हो सकता है। विशेष तौर पर कान में भी फंगल इंफेक्शन बारिश के दिनों में तेजी से फैलता है। यह इन्फेक्शन हर उम्र के लोगों में हो रहा है। डा. वैद्य का कहना है कि अक्सर देखने में आ रहा है कि फंगल होने पर लोग अपने हिसाब से मेडिकल से दवा ले लेते हैं, लेकिन अक्सर यह बीमारी पकड़ में नहीं आती और शरीर में बढ़ जाती है ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह के बाद ही कोई दवा लें। बारिश के मौसम में कपड़ों का चैन अच्छी तरह से करना चाहिए। इसके तहत ढीले और साफ कपड़े ही पहनें। गीले कपड़े न पहनें। घर में एक ही टॉवल का इस्तेमाल न करें। उन्होंने यह भी बताया कि गर्मी और उमस के इस मौसम में विशेषकर डायबिटीज पीड़ित लोगों को विशेष ध्यान रखना चाहिए।

उनमें इसके फैलने के अधिक चांस रहते हैं। फंगल इन्फेक्शन हर उम्र के लोगों को हो रहा है, इसलिए विशेष ध्यान रखें। इन दिनों कान में फंगल इंफेक्शन के मरीज भी अधिक आ रहे हैं। ऐसे में बारिश में कानों को पानी से बचाना जरूरी है। नहाते या भीगते वक्त कान में पानी चला जाता है।

इसे निकालने के लिए लोग बाजार में मिलने वाली कान साफ करने की बड्स या फिर तेल आदि का इस्तेमाल करते हैं। इससे भी फंगस फैलने का खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि बड्स का उपयोग विदेशों में बैन है। हमें भी इसका उपयोग नहीं करना चाहिए।

कार की टक्कर से फल की दुकान में घुसी ऑटो, 4 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 11 बजे गाड़ी अड्डा चौराहा पर अफरा तफरी मच गई। कार ने ऑटो को टक्कर मारी चालक का संतुलन बिगड़ा तो ऑटो सड़क किनारे फल की दुकान में जा घुसा। फल की दुकान लगाने वाला और तीन अन्य युवक घायल हो गए। पुलिस ने मामले में दो प्रकरण दर्ज किए हैं।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि गाड़ी अड्डा चौराहा पर रात 11 बजे के लगभग ऑटो के फल की दुकान में घुसने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो फल की दुकान लगाने वाला इमरान पिता तस्लीम शाह निवासी संजय नगर, उसकी दुकान पर खड़े गोविंद पिता राजू सैनी मोहन नगर, विजय पिता बाबूलाल राठौर गायत्री नगर और यूसुफ पिता कुतुबुद्दीन निवासी केडी गेट के घायल होने की जानकारी सामने आई चारों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मौके से ऑटो क्रमांक एमपी 13 ए के 1256 को जप्त किया गया और चालक यशवंत पिता गणपत चावला निवासी महावीर नगर को हिरासत में लिया गया।

ऑटो चालक ने बताया कि उसे पीछे से आ रही कार ने टक्कर मारी थी जिसके चलते ऑटो का संतुलन बिगड़ा और वह फल की दुकान में जा घुसा। पुलिस ने रात में ही घटनास्थल पर जांच के बाद गोविंद सैनी की शिकायत पर ऑटो चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। वहीं ऑटो चालक की शिकायत पर टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि ऑटो को टक्कर मारने के बाद चालक अपनी कार लेकर मौके से भाग निकला था। पुलिस द्वारा घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर कार चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

हजारों ई-रिक्शा बिना नंबर-सत्यापन दौड़ रहे, यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

प्रशासन के पास ऑटो-मैजिक का रिकॉर्ड, ई-रिक्शा चालकों का नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रही ई-रिक्शा की संख्या के बीच यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। स्थिति यह है कि यातायात पुलिस और आरटीओ के पास पेट्रोल-डीजल से चलने वाले करीब 5 हजार ऑटो और 3500 मैजिक वाहनों का रिकॉर्ड तो उपलब्ध है, लेकिन ई-रिक्शा चालकों और वाहनों की पूरी जानकारी अब तक व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं है। न ई-रिक्शा के लिए स्थानीय नंबरिंग की गई है और न ही बड़ी संख्या में चालकों का सत्यापन हुआ है। ऐसे में किसी दुर्घटना या विवाद की स्थिति में वाहन और चालक की पहचान करना मुश्किल हो सकता है।

शहर में प्रतिदिन हजारों लोग ई-रिक्शा से सफर करते हैं। इनमें स्कूली छात्र-छात्राएं, महिलाएं, बुजुर्ग और बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी शामिल हैं। बावजूद इसके ई-रिक्शा चालकों के रिकॉर्ड की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। कई बार देखने में आता है कि जहां यात्री हाथ देता है, वहीं चालक अचानक ई-रिक्शा रोक देता है। इससे पीछे से आने वाले वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।

नियमों की अनदेखी भी बन रही परेशानी- शहर में कई ई-रिक्शा चालक यातायात नियमों का पालन करते नजर नहीं आते। सड़क के बीच वाहन रोककर सवारी बैठाना, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना और गलत साइड से निकलना आम होता जा रहा है। स्टेशन और प्रमुख बाजार क्षेत्रों के बाहर ई-रिक्शा का जमावड़ा भी यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। कई स्थानों पर चालक सड़क किनारे या बीच सड़क वाहन खड़ा कर सवारियों का इंतजार करते हैं।

ई-रिक्शा में सफर करने वाले यात्रियों के लिए सबसे बड़ी समस्या यह है कि वाहन पर चालक की स्पष्ट पहचान संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं होती। किसी घटना के बाद यात्री के पास शिकायत करने के लिए वाहन नंबर या चालक की पहचान का पर्याप्त आधार नहीं रहता।

ऑटो-मैजिक का रिकॉर्ड, ई-रिक्शा का नहीं- यातायात व्यवस्था में लंबे समय से चल रहे ऑटो और मैजिक वाहनों की संख्या का रिकॉर्ड प्रशासन के पास है। शहर में करीब 5 हजार ऑटो और 3500 मैजिक संचालित होने की जानकारी है। इनके मुकाबले ई-रिक्शा की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन इनके लिए स्थानीय स्तर पर नंबरिंग और चालक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से व्यवस्था कमजोर नजर आ रही है।

एक अभियान चलाकर सभी की सूची बनाने की जरूरत- शहरवासियों का कहना है कि यातायात पुलिस और आरटीओ को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सभी ई-रिक्शा का रिकॉर्ड तैयार करना चाहिए। प्रत्येक वाहन को स्थानीय नंबर दिया जाए और चालक का दस्तावेजों के साथ सत्यापन कराया जाए। वाहन पर चालक का नाम, मोबाइल नंबर और पहचान संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने की व्यवस्था हो तो यात्रियों का भरोसा भी बढ़ेगा।

संचालन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता- ई-रिक्शा शहर के सार्वजनिक परिवहन का महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। इसलिए इन पर रोक लगाने के बजाय इनके संचालन को व्यवस्थित करने की जरूरत है। नंबरिंग और सत्यापन होने के बाद किसी दुर्घटना, विवाद या यात्री से संबंधित शिकायत की स्थिति में वाहन और चालक तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और यातायात व्यवस्था भी अधिक प्रभावी तरीके से संचालित की जा सकेगी।

गणेशजी की मूर्तियां बनाने में जुटे कलाकार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेशोत्सव में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और शहर में भगवान गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। उज्जैन में गणपति महोत्सव की तैयारियों के बीच बंगाल से आए मूर्तिकार भी मिट्टी से गणेशजी की प्रतिमाएं बनाने में जुटे हैं। शहर में अलग-अलग स्थानों पर 3 से 15 फीट तक की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। बंगाली कलाकारों का कहना है कि वे इस बार करीब 50 से 60 गणेश प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं।

गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस बार पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कलाकार मिट्टी, बांस, जूट की रस्सी और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल कर प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। इन प्रतिमाओं में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। कलाकारों के अनुसार पीओपी की प्रतिमाएं विसर्जन के बाद आसानी से नहीं घुलतीं, जिससे जल प्रदूषण की समस्या पैदा होती है। इसी कारण अब कई लोग मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं को प्राथमिकता देने लगे हैं।

तीन दशक से बना रहे मिट्टी की प्रतिमाएं- बंगाल से आए मूर्तिकार अभिजीत पाल करीब तीन दशक से मिट्टी से भगवान गणेश और देवी दुर्गा की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। इस बार भी वे अपने साथियों के साथ उज्जैन में गणेश प्रतिमाओं को आकार देने में जुटे हैं। उनका कहना है कि प्रतिमा निर्माण का काम केवल रोजगार नहीं, बल्कि उनके लिए पुश्तैनी कला और परंपरा को जीवित रखने का माध्यम भी है। मूर्तिकारों के अनुसार गणेश प्रतिमा तैयार करने में आकार के हिसाब से 15 से 20 दिन तक का समय लग जाता है। बड़ी प्रतिमाओं में ज्यादा मेहनत और समय लगता है। पहले मिट्टी से प्रतिमा का ढांचा तैयार किया जाता है। इसके बाद बांस और अन्य प्राकृतिक सामग्री से उसका आकार बनाया जाता है। धीरे-धीरे चेहरे, हाथ-पैर, मुकुट और अन्य हिस्सों को बारीकी से तैयार कर प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जाता है।

बाहर से मंगाते हैं बांस और अन्य सामग्री- कलाकारों ने बताया कि प्रतिमा बनाने के लिए कुछ सामग्री उन्हें बाहर से मंगानी पड़ती है। बांस, जूट और अन्य लकड़ी की सामग्री का उपयोग ढांचा तैयार करने में किया जाता है। मिट्टी भी अलग-अलग स्थानों से लाई जाती है। इसके बाद उसे तैयार कर प्रतिमा बनाने के काम में लिया जाता है। कलाकारों का कहना है कि मिट्टी की प्रतिमा को तैयार करना मेहनत वाला काम है, लेकिन इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता।

आकार के अनुसार तय होती है कीमत- मूर्तिकारों के अनुसार प्रतिमाओं की कीमत उनके आकार, डिजाइन और निर्माण में लगने वाली मेहनत के आधार पर तय होती है। छोटी प्रतिमाओं से लेकर 15 फीट तक की बड़ी प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। गणेशोत्सव नजदीक आने के साथ प्रतिमाओं की बुकिंग भी बढ़ने लगी है। अलग-अलग मंडलों और समितियों के लिए कलाकार उनकी मांग के अनुसार प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं।

पीओपी की जगह मिट्टी की प्रतिमाओं पर जोर- मूर्तिकारों का कहना है कि गणेशोत्सव में प्रतिमाओं का विसर्जन एक महत्वपूर्ण परंपरा है। ऐसे में प्रतिमा ऐसी सामग्री से बननी चाहिए, जो पानी में आसानी से घुल सके। पीओपी की प्रतिमाओं के कारण विसर्जन के बाद जलस्रोतों में प्रदूषण बढ़ने की चिंता रहती है। इसके मुकाबले मिट्टी की प्रतिमाएं प्राकृतिक होती हैं और विसर्जन के बाद पानी में आसानी से घुल जाती हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में मिट्टी की प्रतिमाओं की मांग बढ़ी है।कलाकारों के अनुसार मिट्टी, रंग, सजावट की सामग्री और अन्य जरूरी सामान की कीमत बढ़ने से प्रतिमा निर्माण की लागत भी बढ़ी है। इसके बावजूद वे पारंपरिक तरीके से प्रतिमाएं बनाने का काम जारी रखे हुए हैं। उनका कहना है कि गणेश प्रतिमा केवल सजावट की वस्तु नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का प्रतीक है। इसलिए प्रतिमा बनाते समय उसकी सुंदरता के साथ पर्यावरण का ध्यान रखना भी जरूरी है।

लावारिस बाइक से मिला लापता स्कूल संचालक का पता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस को लेकर जीआरपी द्वारा स्टेशन परिसर और प्लेटफार्म पर सर्चिंग की जा रही है। सर्चिंग में माल गोदाम के पास से पिछले 15 दिनों से खड़ी आपचे बाइक क्रमांक एमएच 36 एपी 0992 को जप्त किया गया। नम्बर के आधार पर बाइक मालिक का पता लगाने के प्रयास किये गये तो सामने आया कि बाइक सुदर्शन बारई निवासी कांद्री मोहाड़ी जिला भंडारा महाराष्ट्र के नाम पर रजिस्ट्रर्ड है। पुलिस ने संपर्क करने का प्रयास किया, परिजनों ने बताया कि बाइक सहित पिछले डेढ़ माह से लापता है, जिसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई है। जीआरपी थाना प्रभारी सुनील गुप्ता ने बताया कि परिजनों से गुमशुदगी के दस्तावेज और फोटो मंगवाये गये। इसी बीच शुक्रवार रात बाइक मालिक सुदर्शन बारई अपनी बाइक तलाशता हुआ जीआरपी थाने पहुंचा। पुलिस के पास उसका फोटो होने पर पहचान लिया और पूछताछ शुरू की तो उसने बताया कि परिजनों से नाराज होकर वह बाइक लेकर घर से निकल गया था। एक माह से धार्मिक स्थलों के दर्शन कर रहा था, 15 दिन पहले उज्जैन पहुंचा था। उसकी बाइक खराब हो गई थी, जिसके चलते रेलवे स्टेशन परिसर में खड़ी कर दी थी। बाइक संधारण में 26 सौ रूपये का खर्च आ रहा था, पैसे नहीं होने पर वह मजदूरी कर पैसे जमा कर रहा था और रात में स्टेशन परिसर में ही सोता था। डेढ़ माह से लापता युवक के मिलने पर परिजनों को सूचना दी गई। शनिवार सुबह उज्जैन पहुंचे परिजनों ने बताया कि सुदर्शन ने बीएड किया और कांद्री मोहाड़ी स्कूल भी संचालित करता है। उसके सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने जीआरपी का आभार माना, उनका कहना था कि पत्नी और पूरा परिवार डेढ़ माह से परेशान था, सुदर्शन लापता होने से पहले अपना मोबाइल भी घर छोड़ आया था। जिसके चलते महाराष्ट्र पुलिस को भी उसकी लोकेशन नहीं मिल रही थी।